RNI Regd No. RAJHIN/2013/60831

निष्पक्ष, निडर, नीतियुक्त पत्रकारिता

हिन्दी मासिक जोधपुर

माली सैनी सन्देश

वर्ष : 16 अंक : 202 29 मई, 2022 मूल्य : 30/- प्रति

समाज के गौत्रों की कुलदेवियां एवं कुलदेवता

कुल देव
सोनणा खेतलाजी

देवड़ा/चौहान वंश की कुल देवी
आशापुरा माताजी

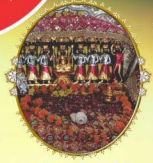

भाटी वंश की कुल देवी
सांगिया/भुवाल माताजी

कच्छवाह वंश की कुल देवी
जाम्वाय माताजी

पड़िहार/परिहार/सुंदेशा वंश
की कुल देवी : चामुण्डा
गाजण एवं सुंधा माताजी

गहलोत वंश की कुल देवी
बाण माताजी

सोलंकी वंश की कुल देवी
खींवज/क्षेमंकरी माताजी

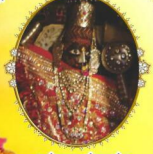

सांखला/पंवार वंश
की कुल देवी
सच्चियाय माताजी

टाक वंश की कुल देवी
सुधदा माताजी

तंवर वंश की कुल देवी
चिलाय माताजी

युवा सीमा सैनी ने किया असंभव को संभव

पढ़ाई के बाद नौकरी नहीं, खेती से जुड़े और मिट्टी के घर बनाकर शुरू किया एग्रो टूरिज्म विश्व भर में है अलग पहचान

साल 2017 में राजस्थान के जयपुर में रहने वाली सीमा सैनी ने अपने साथी इंद्रराज के साथ एग्रीकल्चर से पढ़ाई पूरी की थी, तब उनके घरवाले चाहते थे कि वे कोई नौकरी करें। लेकिन पढ़ाई के दौरान ही, उन्होंने मन बना लिया था कि वह नौकरी करने के बजाय, खेती से जुड़ा ही कुछ काम करेंगे। सीमा ने एमएससी एग्रीकल्चर और इन्द्रराज ने बीएससी एग्रीकल्चर की पढ़ाई की है। आज ये दोनों राजस्थान के खोरा श्यामदास गांव में तकरीबन डेढ़ हेक्टर जमीन किराए पर लेकर इंटीग्रेटेड कृषि प्रणाली और । ।हतपजवनतपेउ से बढ़िया मुनाफा कमा रहे हैं और लोगों को खेती से जुड़े दूसरे बिजनेस के बारे में भी बता रहे हैं।

यहां वे सस्टेनेबल तरीके से खेती के साथ-साथ मुर्गी पालन, बकरी पालन, गाय पालन और ऊंट पालन भी करते हैं। लेकिन इन सबके लिए उन्हें बाहर से कुछ लेने की जरूरत नहीं पड़ती। पशुओं के चारे से लेकर खेत के लिए खाद तक सब कुछ वे यहां खुद ही तैयार करते हैं और खेत में बने प्रोडक्ट्स को यहां आए मेहमान खरीद लेते हैं। इंद्रराज कहते हैं ''हमने पढ़ाई के समय में ही मिलकर यह फैसला कर लिया था कि हमें खेती ही करनी है। पढ़ाई के बाद ही हमने खेती करने की शुरुआत कर दी थी। लेकिन उस समय हमें अंदाजा भी नहीं था कि खेती का दायरा इतना बड़ा है। अगर हम थोड़ी और मेहनत करें, तो इससे अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं।''

हालांकि, जब उन्होंने खेती शुरू की, तब उन्हें सबने कहा कि खेती में ज्यादा फायदा नहीं है। चूँकि, सीमा और इंद्रराज दोनों ही किसान परिवार से ताल्लुक रखते हैं, इसलिए उन्हें खेती की जरूरी जानकारी पहले से ही थी। लेकिन पिछले कुछ सालों में उन्होंने अपने बेहतरीन मॉडल से अपनी अलग पहचान भी बना ली है। सीमा ने बताया, ''अगर हम सिर्फ खेती पर निर्भर होंगे, तो नुकसान होने की संभावनाएं ज्यादा होंगी। जब तक किसान खेती से जुड़े दूसरे बिजनेस से नहीं जुड़ते, तब तक आगे बढ़ना मुश्किल है और हम यही करने की कोशिश कर रहे हैं।''

कैसे Agritourism का ख्याल ?

सीमा और इंद्रराज जब खेती करने की शुरुआत की तब वे खेत में ही एक मिट्टी का घर बनाकर रहने लगे। वह छोटा सा राजस्थानी घर लोगों को इतना पसंद आया कि कई लोग उनके खेत में आकर रहने की इच्छा जताने लगे। उन्होंने मिट्टी, गोबर और भूसी से दो कुटियां बनाई थीं, जो पारंपरिक राजस्थान के पुराने घरों की तरह थीं, जिस गांव में वह रह रहे थे वह दिल्ली हाईवे और जयपुर शहर से पास है। इसलिए उन्हें यकीन था कि अगर वह यहां एग्रोटूरिज्म (Agritourism) का विकास करेंगे, तो जरूर सफल होंगे।

इसी सोच के साथ, उन्होंने ग्रीन वर्ल्ड फाउंडेशन (Agritourism) की शुरुआत की। यहां उन्होंने मिट्टी के पांच कॉटेज और एक डोरमेट्री हॉल भी बनाए, जिन्हें बनाने में उन्हें करीब दो साल का समय लगा। स्थानीय कारीगरों के साथ मिलकर, उन्होंने इन मिट्टी के घरों (Mud Houses) को तैयार किया था। इस पूरे मॉडल को तैयार करने में उन्हें लगभग आठ से दस लाख का खर्च आया। पिछले साल उन्होंने इस बिजनेस से करीबन 35 लाख का टर्नओवर कमाया था।

उन्होंने साल 2021 में इसकी शुरुआत की थी, जिसके बाद यहां आस-पास के शहरों से लोग रहने आने लगे। सीमा ने बताया कि यहां महीने के करीबन 50 मेहमान आते ही हैं, जो पारम्परिक गांव में रहने का आनंद लेने के साथ, यहां खेत में खुद प्रोडक्ट्स को बनते देखते भी हैं। यहां आए लोग छुट्टी बिताने के साथ-साथ, अपने बच्चों को खेती और पशुपालन से जुड़ी जानकारी भी दे सकते हैं। हां अचार, मसाले और घी जैसे प्रोडक्ट्स तैयार किए जाते हैं, जिन्हें बेचने के लिए उन्हें कोई मार्केटिंग करने की जरूरत ही नहीं पड़ती।

सीमा और इंद्रराज ने जब खेती की शुरुआत कि थी, तब वे आस-पास के कई किसानों से भी मिले और उनकी समस्याओं के बारे में भी जानने की कोशिश की। जो किसान खेती में नुकसान झेल रहे थे, वे उन्हें इंटिग्रेटेड फार्मिंग की ट्रेनिंग देने लगे। आज करीब 8000 किसान इनसे जुड़कर खेती के साथ, पशुपालन और Agritourism से मुनाफा कमा रहे हैं। हालांकि, उनके परिवार वालों को कभी नहीं लगा था कि खेती से जुड़कर बढ़िया मुनाफा कमाया जा सकता है, लेकिन आज उन्होंने Agritourism का बेहतरीन मॉडल बनाकर अपने साथ-साथ कई और किसानों को भी नई राह दिखाई है।

ग्रीन वर्ल्ड फाउण्डेशन जयपुर राजस्थान एवं हरियाणा में कार्यरत है। यहां किसानों, कॉलेज स्टूडेंट्स और उद्यमियों को कृषि के साथ साथ छोटे-छोटे कृषि व्यापार की ट्रेनिंग दी जाती है। पूरे देश विदेश से यहा टूरिस्ट आते है जो राजस्थानी फूड, कल्चर और एग्रीकल्चर के बारे में जानकारी लेते है। जिनको राजस्थान के कल्चर को देखने का मौका मिलता है।

अब तक 8 से 10 हजार किसानों को प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से ट्रेन्ड कर चुके है। सीमा और इंद्रराज कृषि में जैविक खेती, संबंधित प्रणाली, एग्रो टूरिज्म आदि क्षेत्रों में कार्य करके पर्यावरण एवं समाज के स्वास्थ्य को सुधारने का कार्य बखूबी कर रहेहै।

RNI Regd No. RAJHIN/2013/60831

Postal Regd No. Jodhpur/496/2021-23

माली सैनी सन्देश

● वर्ष : 16 ● अंक 202 ● 29 मई, 2022 ● ● मूल्य : 30/-प्रति ●

माली सैनी संदेश पत्रिका के सम्मानीय संरक्षक सदस्यगण

श्रीमान रमेशचंद्र कच्छवाहा (अध्यक्ष, ठेकेदार ऐसोसियेशन, नगर निगम जोधपुर)

श्रीमान लक्ष्मण सिंह सांखला (समाजसेवी/भामाशाह)

श्रीमान मोहनसिंह सोलंकी (उद्योगपति/समाजसेवी)

श्रीमान नरपतसिंह सांखला (बिल्डर्स/समाजसेवी)

श्रीमान नेमीचंद गहलोत (उद्योगपति/भामाशाह)

श्रीमान पुखराज सांखला (अध्यक्ष, माली संस्थान, जोधपुर)

डॉ. किशन माली (शिक्षक/ समाजसेवी)

श्रीमान ब्रह्मसिंह चौहान (जिला उपाध्यक्ष, भाजपा, जोधपुर)

श्रीमान प्रदीप कच्छवाहा (उद्योगपति)

श्रीमान भगवानसिंह गहलोत (उद्योगपति/भामाशाह)

श्रीमान युधिष्ठर सिंह परिहार (व्यवसायी/समाजसेवी)

श्रीमान सुरेश सैनी (समाजसेवी)

श्रीमान (डॉ.) सुरेन्द्र देवड़ा (हृदय रोग विशेषज्ञ, एम्स)

श्रीमान अशोक पंवार (कॉन्ट्रेक्टर/भामाशाह)

श्रीमान संपतसिंह कच्छवाहा (शिक्षाविद्/ समाजसेवी)

श्रीमान इंद्रसिंह सांखला (समाजसेवी)

श्रीमान नरेश सांखला (कॉन्ट्रेक्टर/समाजसेवी)

श्रीमान प्रवीण सिंह परिहार (बिल्डर/उद्योगपति)

श्रीमान रामेश्वरलाल कच्छवाहा (व्यवसायी/समाजसेवी)

श्रीमान (डॉ.) पवन परिहार (शिशु रोग विशेषज्ञ, पावटा स्टेलाईट)

श्रीमान अरविंद कच्छवाहा (व्यवसायी/समाजसेवी)

श्रीमान प्रीतम गहलोत (व्यवसायी/समाजसेवी)

श्रीमान आर.पी. सिंह परिहार (उद्योगपति/समाजसेवी)

श्रीमान बंशीलाल सैनी (व्यवसायी/समाजसेवी)

सी.ए. श्रीमान महेश गहलोत (उद्योगपति/समाजसेवी)

श्रीमान आदित्य सिंह गहलोत (युवा राजनेता/समाजसेवी)

श्रीमान चंद्रसिंह देवड़ा (समाजसेवी/उद्योगपति)

श्रीमान प्रकाश सिंह गहलोत (कॉलोनाईजर/समाजसेवी)

श्रीमान दीपक सिंह गहलोत (आईटी एक्सपर्ट/भामाशाह)

श्रीमान महेश गहलोत (उद्योगपति/भामाशाह)

श्रीमान रामचंद्र सोलंकी (पूर्व अध्यक्ष, रामदेवरा धर्मशाला)

ई. श्रीमान हरिसिंहजी पंवार (MD, Teren Power PVt. Ltd.)

माली सैनी संदेश संरक्षक सदस्यता अभियान में आपका हार्दिक स्वागत है

संपादक की कलम से...

शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करना भी समाज सेवा है

विद्या परम आभूषण है इसे धारण करना महती आवश्यकता है परंतु कभी मार्गदर्शन, प्रेरणा, वातावरण व शैक्षिक सुविधाओं के अभाव में समाज के युवक-युवतियों को चाहते हुए भी ''उच्च शिक्षा'' प्राप्त करने में अपेक्षाकृत स्तर अन्नयन के लाभ से वंचित रहना पड़ता है। समाज में प्रतिभाओं की कमी नहीं है आवश्यकता है तो उन्हें तराशने की उन्हें प्रेरित करने की। कई दुरांचलों में सुविधाओं के अभाव में जिज्ञासा अभिलाषा के बावजूद मन मसोस कर युवाओं को पढ़ाई से विमुख हो अल्पायु में ही रोजगार पर लगना पड़ता है। ऐसी स्थिति में ऐसे क्षेत्रों में जो समाज के शिक्षाविद् अथवा समाजसेवी जागरूक जन है। उन्हें ऐसी समाज की प्रतिभाओं का हौंसला, मनोबल बढ़ाते, उनका उत्साहवर्द्धन कर विषम परिस्थितियों में भी उनके पथ प्रदर्शक बन समाज सेवा के सहभागी बन सकते है।

आज प्रगतिशील युग में शिक्षा का ही बोल बाला हैं। तकनिकी शिक्षा का बढ़ते नवाचारों में प्रमुख स्थानों पर है। आज शैक्षिक योग्यता की ही पूछ है। युवाओं को परिणय बंधन के लिए संबध स्थापित करने में क्वालिफिकेशन को पहले परखा जाता है। ऐसे में परसेंटेज व प्रतिस्पर्धा के युग में हमारी नव पीढ़ी पीछे न रहे। वे आगे बढ़कर समाज का हर क्षेत्र में गौरव बढ़ायें इसके लिए समाज के विशिष्ट बुजुर्गों, अनुभवी विभूतियों को भी प्रहरी बन अपने अपने क्षेत्र में निगाहें रख प्रतिभाओं की हर स्तर पर चाहे सामाजिक हो या सरकारी सहायता दिलाने के लिये आगे आना चाहिए, आज के युग में विद्या से विमुख रहने वालों को हर सुविधा से प्राय: विमुख होना पड़ता है, कहा है:-

रूप यौवन सम्पन्ना, विशाल कुल सम्भवा:।
विद्या हीना न शौभन्ते, निर्गन्धा इव किंशुका:।।

चाहे रूप यौवन से संपन्न हों, अथवा बड़े कुल में पले हुए हों परंतु इतना होते हुए भी यदि विद्याहीन हैं तो पलाश के फूल की तरह जो देखने में सुन्दर आकर्षक होते हैं, परनतु गन्धहीन होने से निर्थक हैं। इसी तहर विद्याहीन शोभान ही प्राप्त कर सकते है। विद्ववानों का यह भी कथन है कि ''**अन अभ्यासे विद्या विषम् इव निष्ठ कारी भवति।**''

अन अभ्यास से विद्या जहर बन जाती है अत: विद्या अध्ययन समाप्ति के बाद भी विद्या का सतत अध्ययन जरूरी है। विद्या प्राप्त पुरूष विनम्र बन जाता है। 'विद्या ददाति विनयं' ऐसी स्थिति में नवा चारों व अनुसंधानों के दौर में शिक्षा पर विशेष चिंतन मनन व मंथन करना है। बालिका शिक्षा को भी विशेष बढ़ावा देना भी समाज में योगदान होगा।

मनीष गहलोत
संपादक

माली सैनी समाज का राष्ट्रीय महा जनगणना मोबाइल ऐप
डॉउनलोड कर अपने परिवार की जानकारी अवश्य जोड़े।
https://play.google.com/store/apps/details?id=app.blood.maliSamaj
माली सैनी समाज

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों के स्वयं के विचार है। किसी भी विचार के साथ संपादकीय सहमति का होना आवश्यक नहीं है। सभी प्रसंगों का न्यायिक क्षेत्र जोधपुर ही होगा।

12 फीसदी आरक्षण और सेना में रेजीमेंट बनाने की मांग को लेकर भरतपुर में भी जुटे हजारों लोग

समाज ने महापंचायत कर ताकत दिखाई, आरक्षण कल्याण बोर्ड के गठन की भी मांग उठाई

अलवर 29 अप्रैल। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री टीकाराम जूली ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले को भारत रत्न मिलना चाहिए। फुले ने महिलाओं व पिछड़ों को आगे लाने की बात की। सैनी समाज मेहनतकश और हुनरमंद है और एक ताकत है। सैनी समाज का उद्धार होने की आवश्यकता है। वे गुरुवार को जिला सैनी महासभा की ओर से यहां कंपनीबाग में हुई सैनी समाज उत्थान महापंचायत में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि सैनी समाज की मांगों में दम है। सैनी समाज ने जो मांग रखी है, उसके समर्थन में पत्र दे दिया है। सैनी समाज की बात जयपुर ही नहीं दिल्ली तक जाएगी। सैनी समाज को आगे आने का मौका मिलना चाहिए। सैनी समाज की देश को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका है। उनकी मांगों को लेकर मुख्यमंत्री से वे खुद मिलेंगे और प्रतिनिधिमंडल को भी मिलवाया जाएगा।

विधायक कांति प्रसाद मीणा ने कहा कि सैनी समाज को अपनी ताकत दिखाने का समय आ गया है। सैनी समाज की जो 11 सूत्री मांगें हैं, उन्हें माना जाना चाहिए। सैनी समाज को आरक्षण मिलना चाहिए, जिससे इन्हें बाजार बंद कराने, रेल रोकने, लाठी-गोली खाने की नौबत नहीं आए। उन्होंने कहा कि राजनेताओं को अब सैनी समाज का कर्ज उतारने का समय आ गया है। राष्ट्रीय फुले त्रिगेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष सीपी सैनी ने कहा कि सैनी समाज अपनी मांगों को लेकर 8 साल से लगातार संघर्षरत है। उन्होंने कहा कि सरकार के पास पैसे छापने की मशीन नहीं है। हम जो टैक्स देते हैं, उसके बदले में सुविधा मिले। दशा और दिशा बदलनी होगी। हमारा हक मिलना चाहिए। जिला सैनी महासभा संरक्षक अभय सैनी ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले को भारत रत्न देने के लिए राजस्थान सरकार सिफारिश करे। उन्होंने फुले की जयंती पर सार्वजनिक अवकाश घोषित करने और सैनी समाज कल्याण बोर्ड बनाने और सैनी समाज को आरक्षण देने की मांग की। कहा कि हमें अपने हक की लड़ाई लंबी लड़नी पड़ी तो लड़ेंगे। आरक्षण के लिए कुर्बानी देनी पड़ेगी तो देंगे।

सैनी समाज को अब ताकत दिखाने का समय आ गया है। अब नहीं जागे तो कभी नहीं जागोगे। उन्होंने कांग्रेस से कहा कि सैनी समाज को जितना अधिक दोगे, उतनी ही विधानसभा सीटों से कांग्रेस की झोली भर देगा। जिला सैनी महासभा अध्यक्ष पूरणमल सैनी, विकास बबेरवाल, लालाराम सैनी, पुरुषोत्तम एडवोकेट, धर्मचंद सैनी, रामावतार, भगवान सैनी, मनोहरलाल सैनी, शंकर लाल सैनी, चतरसिंह, हीरालाल, अशोक सैनी, कैलाश टांक, भागीरथ सहित अन्य वक्ताओं ने भी विचार रखे। कार्यक्रम में पूर्व डेयरी चेयरमैन बनाराम मीणा, श्वेता सैनी, जितेंद्र खुराड़िया, जिला सैनी महासभा के पदाधिकारी व सैनी समाज के विभिन्न संगठनों के लोग उपस्थित रहे। महापंचायत में अलवर जिले के अलावा, जयपुर, भरतपुर, करौली, कोटपूतली, बांदीकुई, दौसा सहित अन्य जगहों से सैनी समाज के लोग आए। महापंचायत में शामिल होने के लिए लोग ढोल नगाड़ों व डीजे की धुनों पर नाचते गाते पहुंचे। वे हाथों में बैनर भी लिए हुए थे। पदम सैनी ने संचालन किया। करीब 4 घंटे चली महापंचायत के बाद प्रतिनिधि मंडल ने राज्यपाल व मुख्यमंत्री के नाम एडीएम सिटी सुनीता पंकज को 11 सूत्री मांगपत्र सौंपा। एडीएम सिटी ज्ञापन लेने के लिए कंपनी बाग आई।

ज्ञापन में थी ये 11 मांगें : महात्मा फुले कल्याण बोर्ड का गठन किया जाए, महात्मा फुले फाउंडेशन बनाया जाए. सैनी माली कुशवाह शाक्य मौर्य आदि समाज को ओबीसी आरक्षण में से अलग से आरक्षण दिया जाए, सब्जी बेचने वालों के लिए स्थाई जगह निश्चित की जाए, महात्मा फुले बागवानी विकास बोर्ड का गठन हो, फुले दंपती के नाम विश्वविद्यालयों में फुले शोध केंद्रों की स्थापना की जाए, फुले दंपती

की जयंती पर राजस्थान में राजकीय अवकाश घोषित किया जाए। सैनी रेजिमेंट का गठन हो, अत्याचार करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए, फुले दंपती के नाम पर संग्रहालय बनाया जाए और फुले दंपती को भारत रत्न दिया जाए।

भरतपुर 7 मई। सैनी यदुवंशी कुशवाह शाक्य मौर्य समाज द्वारा शुक्रवार को 11 सूत्रीय मांगों को लेकर भीमा रिसोर्ट में महापंचायत की। जिसमें 12 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने तथा सेना में सैनी रेजिमेंट बनाए जाने आदि की मांग की गई। इस मौके पर वक्ताओं ने सामाजिक एकता की जरूरत पर बल दिया। साथ ही 11 सूत्री मांग पत्र के लिए एकजुट होकर संघर्ष और राज्य स्तर पर आंदोलन की करने की बात कही। बाद में मुख्य बाजार से कलेक्ट्रेट तक रैली निकाली और जिला कलेक्टर आलोक रंजन को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौपा। ज्ञापन में सैनी समाज की 11 सूत्रीय मांग पत्र में आरक्षण से 12 प्रतिशत सैनी माली, कुशवाह, शाक्य, मौर्य, यदुवंशी समाज को पृथक से देने की मांग की गई है।

महापंचायत की अध्यक्षता डीग चेयरमैन निरंजन सिंह टकसालिया ने की। इस मौके पर सैनी समाज के राष्ट्रीय संयोजक सीपी सैनी, सामाजिक कार्यकर्ता जुगलकिशोर सैनी, महात्मा ज्योतिबा फूले माली समाज उत्थान समिति अध्यक्ष रामगोपाल सैनी एडवोकेट, सीमा समृद्धि कुशवाह, ऑल इण्डिया सैनी समाज जिलाध्यक्ष रामेश्वर सैनी, सामाजिक कार्यकर्ता विष्णु सैनी, पार्षद किशोर सैनी, पप्पू प्रधान, वासुदेव कुशवाह, श्रीचंद, बने सिंह, रमनलाल पूर्व चेयरमैन, गिर्राज सैनी, केदार सैनी, तोताराम गिरदावर, पार्षद चतरसिंह, मनीष सैनी, उदयभान सैनी आदि ने विचार रखे। संचालन राहुल अजमेरिया ने किया। महापंचायत में बडी संख्या में लोग एकत्रित हुए। नेशनल हाईवे 21 डहरा मोड के पास सैनी समाज महासभा तहसील नदबई के नेतृत्व में राष्ट्रीय फुले ब्रिगेड संयोजक चंद्रप्रकाश सैनी का 51 किलो की फूल माला व 21 मीटर का साफा पहनाकर और पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। संयोजक चंद्रप्रकाश सैनी जयपुर से चलकर प्रदेश स्तरीय जिला भरतपुर में एक रिसोर्ट में हो रही महापंचायत में शामिल हुए। चंद्र प्रकाश सैनी का जयपुर से लेकर भरतपुर तक दर्जन भर स्वागत हुए। संयोजक चंद्र प्रकाश सैनी ने कहा सैनी समाज की जो मांगे हैं वह कतई जायज मांग है। सरकार को उनकी मांगों को परा करना होगा। सरकार द्वारा उनकी मांगों को पूरा नहीं किया तो सैनी समाज

आंदोलन के लिए मजबूर होगा। इस अवसर सैनी महासभा सदस्य जगदीश प्रसाद सैनी, छोटेलाल सैनी, बदनसिंह सैनी, भरतलाल, राजू सैनी, ज्ञानी सैनी, रवि सैनी, बाबूलाल सैनी, राजेंद्र सैनी, ताराचंद सैनी, फुले ब्रिगेड नदबई अध्यक्ष ओमप्रकाश मौजूद थे।

सैनी समाज सभा ने नामांकन वापसी की अंतिम तारीख को ही सर्वसम्मति से चुनी पूरी कार्यकारिणी, कुल 6 पदों के लिए 31 उम्मीदवारों ने ठोकी थी दावेदारी

गुरनाम सिंह को तीसरी बार प्रधानी

कुरूक्षेत्र 2 मई। सैनी समाज सभा ने रविवार को गवर्निंग बॉडी के चुनाव को लेकर नामांकन वापस लेने के अंतिम दिन सर्वसम्मति से प्रधान सहित पूरी कार्यकारिणी चुन ली। गुरनाम सिंह उदारसी को तीसरी बार सभा की प्रधानी मिली। वहीं, अन्य पांचों पदों पर भी सहमति से सभा की गवर्निंग बॉडी चुन ली गई। बता दें सभा के प्रधान पद 11 उम्मीदवारों समेत कुल 6 पदों के लिए 31 उम्मीदवारों ने दावेदारी ठोकी थी। एक मई नामांकन वापस लेने का अंतिम दिन था। लिहाजा रविवार सुबह से ही कॉलिजियम को अपने पक्ष को लेकर जोड़तोड़ शुरू हो गया। इसी बीच समाज ने बैठक कर सर्वसम्मति से 5 सदस्यीय कमेटी बनाई। इस कमेटी को प्रधान सहित अन्य पदाधिकारियों को चुनने का जिम्मा दिया गया था। इस कमेटी में पूर्व सांसद गुरदयाल सिंह सैनी, छतरपाल प्रतापगढ़, मायाराम सैनी, धर्मबीर कैथल और चंदगीराम पटवारी शामिल रहे। कमेटी ने अलग से जाकर विचार विमर्श किया। मायाराम सैनी ने मंच पर कमेटी का फैसला सुनाया, तो सभी ने सहमति जता दी।

ये चुने गए गवर्निंग बॉडी सदस्य

प्रधान : गुरनाम सिंह उदारसी **वरिष्ठ उप प्रधान :** सत्यवान कैथल **उपप्रधान :** जोगिंद्र सिंह बारवा **सचिव:** अवतार सिंह प्रतापगढ़ **संयुक्त सचिव:** श्यामलाल सेक्टर-5 **कोषाध्यक्ष :** दर्शनलाल सैनी

गौरतलब है कि सभा के 2600 सदस्य 125 कॉलेजियम चुनते हैं। इस बार 121 कॉलेजियम बने थे। इसमें से 113 कॉलेजियम सर्वसम्मति से चुने गए थे। प्रधान सहित गवर्निंग बॉडी के 6 पदों के लिए 30 अप्रैल से एक मई तक का समय नामांकन वापस लेने का निर्धारित किया गया था। सर्वसम्मति न बनने पर आठ मई को सभा के चुनाव प्रस्तावित थे।

समाज ने सर्वसम्मति कर दिया संदेश, हमेशा रहेंगे ऋणी: लगातार तीसरी बार प्रधान चुने गए गुरनाम सिंह उदारसी ने कहा सैनी समाज ने उन्हें तीसरी बार जो जिम्मेदारी दी है, इसके लिए वे पूरे समाज के हमेशा ऋणी रहेंगे। वहीं सैनी समाज ने सर्वसम्मति से समस्त कार्यकारिणी चुनकर पूरे प्रदेश को भाईचारे का संदेश दिया है। प्रधान उदारसी ने कहा कि समाज की एकजुटता व तरक्की के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे। चुनी गई कार्यकारिणी को समाज के लोगों ने फूलमालाएं पहनाकर व लड्डू बांटकर खुशी जताई। मौके पर पूर्व विधायक साहब सिंह सैनी, सुभाष धुराला, रिटायर डीएसपी जगदीशचंद सैनी, करनैल सिंह हरिपुर, कृष्णलाल खैरी, ओमनाथ सैनी, हरनैक सिंह कलाल माजरा, बलदेवराज प्रतापगढ़, जयपाल सैनी, गुरनाम गजलाना, नायब सिंह पटाकमाजरा, पूर्व सचिव कुशपाल सैनी, सुरेश सैनी समेत समाज के अन्य लोग मौजूद रहे।

माली सैनी संदेश परिवार की ओर से सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए समाज के सभी वर्गों का आभार प्रकट करता है जिन्होंने एकमत हो सर्व सम्मति से प्रबुद्धजनों की कमेटी बना योग्य पदाधिकारियों को चुन अच्छा संदेश दिया।

सामाजिक नेताओं सहित अनेकों विधायकों जनप्रतिनिधियों ने वर-वधूओं को दिया आशीर्वाद

सामाजिक स्तर पर करोड़ों रुपयों की बचत के साथ ही विभिन्न सामूहिक विवाह समारोह में 278 जोड़ों ने थामा एक दूसरे का हाथ, समाज में हर्ष की लहर

टोडा रायसिंह। बस्सी गांव में मंगलवार को प्रथम फूल माली आदर्श सामूहिक विवाह सम्मेलन धूमधाम से सम्पन्न हुआ। जिसमें माली समाज के 62 जोड़े हिन्दू रीति रिवाज के अनुसार हजारों लोगों की साक्षी में परिणय-सूत्र में बंध गए।

सुबह सभी 62 दूल्हों को ट्रैक्टर में बैठा कर लवाजमे के साथ गांव के मुख्य मार्गों से भव्य निकासी निकाली गई। निकासी में हाथी, बग्गी व घोड़ियों का भारी लवाजमा साथ चल रहा था। जिसका ग्रामीणों ने जगह जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। निकासी कार्यक्रम में कई महिलाएं व युवक डीजे की धुन पर नाचते हुए चल रहे थे। सभी दूल्हों ने विवाह स्थल पर पहले तोरण की रस्म पूरी की। तत्पश्चात एक दूजे को वरमाला पहनाई। विवाह पांडाल में आचार्यों के मंत्रोच्चार पर सभी वर-वधू ने एक साथ फेरे की रस्म निभाई। वर-वधू पक्ष के लोगों के लिए अवधपुरी व जनकपुरी के पांडाल बनाए गए थे। समारोह में पृछताछ केन्द्र, मेडिकल काउंटर, पेयजल काउंटर, भोजन स्थल, पाणीग्रहण स्थल बनाए गए थे। वर-वधू का आशीर्वाद समारोह आयोजित किया गया। विवाह सम्मेलन में करीब 20-25 हजार महिला पुरुष पहुंचे है। जिनके लिए दोनों समय भोजन की व्यवस्था की गई थी। विवाह स्थल पर आवश्यक बोलिया लगाई गई।

जिसमें प्रमुख रूप से ध्वज की बोली गणेश छारोडिया, रथ की बोली नौरत नागरा, हाथी की बोली कालूराम अजमेरा, घोड़ियों की बोली दामोदर छारोडिया सहित 11 व्यक्तियों के छोड़ी गई। समारोह में आशीर्वाद देने यह पहुंचे अथिति सामूहिक विवाह समारोह में शरीक होने के लिए प्रभु लाल सैनी पूर्व मंत्री, कन्हैया लाल चौधरी विधायक मालपुरा टोडारायसिंह, भवानी शंकर माली सदस्य धरोहर संरक्षण एवं प्रोन्नति प्राधिकरण राजस्थान सरकार, बाबूलाल सैनी महामंत्री राजस्थान प्रदेश माली महासभा, सीताराम सैनी उद्योगपति एवं भामाशाह जयपुर, भरत लाल माली चेयरमैन नगरपालिका टोडारायसिंह सहित माली समाज के प्रदेश के विभिन्न जिलों से समाज बंधु सम्मिलित होकर वर-वधु को आशीर्वाद दिया। वर-वधू को यह दिया सामान माली समाज विवाह सम्मेलन समिति के महामंत्री किस्तूर चंद सैनी ने बताया कि विवाह समिति की ओर से सभी 62 जोड़ों की एक कूलर, आलमारी, एलईडी, दो कूर्सिया, सोने का मंगल सूत्र, चांदी की पायजेब, चांदी की बिजासन, चांदी का छल्ला, बाजोट, दीवार घड़ी, पलंग, गद्दा, तकिया, कंबल व बर्तन भेंट किए है।

विवाह स्थल पर सरपंच संतरा सैनी, सीआर धर्मेंद्र सैनी, समिति के अध्यक्ष अमरलाल पटेल, उपाध्यक्ष जगदीश पटेल, कोषाध्यक्ष रमेश चंद पटेल, महामंत्री किस्तूर चंद सैनी, सचिव राजीव सैनी, सहायक सचिव रमेश चंद पटेल व समस्त बस्सी-ओझापुरा के पंच पटेलों ने विवाह सम्मेलन में पहुंचे सभी अतिथियों का प्रतीक चिन्ह भेंट कर व साफा बंधवा कर स्वागत व सम्मान किया है।

33 जोड़ों ने थामा एक दूसरे का साथ

लाम्बाहरिसिंह। शिव माली समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन समिति उनियारा खुर्द, शिव माली समाज सकल पंच 84 तत्वावधान प्रथम सामूहिक विवाह सम्मेलन मंगलवार को कुंड स्थित माली धर्मशाला में आयोजित हुआ। इसमें 33 जोड़े तथा भगवान के 2 जोड़े एक-दूसरे के हमसफर बने। सुबह गणेश मंदिर से बैंड बाजे के साथ भगवान सत्यनारायण व रघुनाथ की रथयात्रा व वर-वधू की निकासी निकाली गई। ग्राम पंचायत द्वारा शोभा यात्रा पर पुष्प वर्षा की गई। सीताराम मंदिर, मोरला दरवाजा, बस स्टैंड, मालियों का मोहल्ला, बंसीवाला मंदिर होते हुए माली धर्मशाला कुंड पहुंची। यहां बारातियों का स्वागत किया गया। दूल्हों ने सामूहिक रूप से तोरण रस्म निभाई। पंडितों ने हिंदू रीति रिवाज के अनुसार वर-वधू का पाणिग्रहण संस्कार संपन कराया। सम्मेलन में

अतिथि के रूप में शामिल हुए मालपुरा-टोडारायसिंह विधायक कन्हैयालाल चौधरी व पूर्व मंत्री प्रभुलाल सैनी ने वर-वधुओं का आशीर्वाद दिया।

दशहरा मैदान पर सोमवार रात आयोजित समारोह में मालपुरा-टोडारायसिंह विधायक कन्हैया लाल चौधरी ने सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 10 लाख रुपए देने की घोषणा की। साथ ही समाज की हर संभव मदद करने के लिए आश्वासन दिया। पूर्व कृषि मंत्री प्रभुलाल सैनी ने समाज के लोगों को महात्मा ज्योतिबा फुले व सावित्रीबाई फुले के पद चिन्हों पर चलने को कहा। विवाह समिति अध्यक्ष प्रहलाद तलाईच ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का मिला संदेश समाज के लोगों को पढ़कर सुनाया।

24वें सामूहिक विवाह समारोह में 31 जोड़ों ने किया विवाह :

भोपाल 3 मई । अक्षय तृतीया के अवसर पर फूल माली समाज भोपाल द्वारा 24 वां आदर्श सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें 31 नव युवक युवतियों ने गृहस्थ आश्रम में प्रवेश किया सभी वर वधू को आशीर्वाद देने के लिए आयुष मंत्री मध्य प्रदेश शासन समाज गौरव श्री रामकिशोर कावरे माली सैनी समाज राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री श्री जगदीश सैनी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व अपर कलेक्टर श्री जीपी माली साहब राष्ट्रीय सचिव श्री राजेंद्र कुमार सैनी चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग बेरसिया विधायक विष्णु खत्री गोविंदपुरा विधायक कृष्णा गौर भाजपा प्रदेश महामंत्री भगवानदास सबनानी प्रदेश महासचिव श्री हरिसिंह सैनी भोपाल समाज अध्यक्ष राधेश्याम माली प्रदेश मीडिया प्रभारी सुरेश सुमन कैलाश जी पुष्पद तारागंज फूलमाली सोशल ग्रुप प्रदेश अध्यक्ष नरेंद्र पुष्पद उज्जैन धर्मशाला समिति अध्यक्ष हरिनारायण माली राधा कृष्ण मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष कृष्णगोपाल माली सम्मेलन अध्यक्ष मदन लाल माली दिनेश सुमन मलावर दीपक पुष्पद प्रदेश महामंत्री फूलमाली सोशल ग्रुप अनिल पुष्पद शिवनारायण पुष्पद लखनवास मनोज पुष्पद पत्रकार संतोष जी पुष्पद पत्रकार लोकेश जी को स्वर विनोद जी पुष्पद ओमप्रकाश पुष्पद पूर्व समाज अध्यक्ष सारंगपुर सहित पूरे मध्यप्रदेश राजगढ़ शाजापुर विदिशा सीहोर होशंगाबाद सहित विभिन्न जिलों के समाज बंधुओं ने शामिल होकर आयोजन को सफल बनाया।

फूल माली समाज का 19 वां 12 जोड़ो का सम्मेलन आयोजित :

आगर मालवा। 2 वर्ष के कोराना काल के बाद हुवे विवाह सम्मेलन में चौकला पंचायत से हजारों लोग सम्मलित हुवे, उज्जैन, इंदौर, भवानी मंडी, रामगंज मण्डी, सवाई माधोपुर, कोटा, अशोक नगर, रतलाम, मंदसौर, जावरा, निंबी, चोरल, चाचौड़ा, राघौगढ़, नरसिंगढ़, लुलाखाल, कुरावर, भोपाल आदि से सम्मलीत हुवे समाज जन। वर एवं वधु पक्ष से रू. 12 - 12हजार लिया गया। विवाह शुल्क, विवाह समिति द्वारा प्रत्येक जोड़े को बर्तन, पलंग, रजाई गादी, मंगल सूत्र, पायजेब, बिछुड़ी, अंगूठी, दी गई। इसके साथ ही सामूहिक कन्या दान में 1 लाख 40 हजार 4 सो रूपए प्राप्त हुए। एक बड़ा ट्राली बैग विशाल सहदेव बनासिया ने, एक जोड़ी बिछुड़ी, कमल रामचंद्र जादम, एक दीवार घड़ी संतोष प्रहलाद अजमेरा द्वारा प्रत्येक जोड़ो को किया कन्या दान। सामूहिक कन्या दान से प्रत्येक जोड़े को 11 हजार 7 सो रू भी प्राप्त हुए। सामूहिक विवाह सम्मेलन में विवाह समिति पूर्व अध्यक्ष तथा समाज के वरिष्ठों का सरोफा बांध कर पुष्प माला पहना कर किया स्वागत किया गया। अंत में कार्यक्रम को सफल बनाने में समाज बंधुओ द्वारा दिए गए सहयोग तथा समर्थन का समिति के अध्यक्ष प्रदीप जी अजमेरा द्वारा सभी लोगो माना आभार।

25 जोड़ो का हुआ सामूहिक विवाह समारोह

लाखेरी (बूंदी) 17 मई। समाज के गरीब लोगों की मदद करने का प्रयास सामूहिक रूप से हो तो मदद का भार सभी लोगों में समान रूप से बंट जाता है। इससे सामाजिक एकता मजबूत होने के साथ लोगों की सेवा का अवसर मिलता है। ऐसा ही प्रयास सामूहिक विवाह सम्मेलनों में देखा जाता है। सोमवार को शहर की सैनी पब्लिक स्कूल परिसर में सैनी समाज के विवाह सम्मेलन में समाज के भामाशाहों के सहयोग से 25 वर-वधुओं को परिणय आशीर्वाद प्राप्त हुआ।

सैनी समाज का यह अठवां विवाह सम्मेलन हुआ है। दो साल से कोरोना के कारण विवाह सम्मेलनों पर रोक लगी होने के कारण ऐसे आयोजन नहीं हो पा रहे थे। इसके चलते गरीब लोगों में विवाह को लेकर परेशानी के साथ कशमकश थी। अब कोविड से राहत मिली तो यह सिलसिला फिर से शुरू हुआ। विवाह सम्मेलन की शुरुआत गंगा पूजन से हुई। सम्मेलनस्थल से समाजबंधु तोरण की बावड़ी पर पहुंचे, जहां गंगा पूजन करने के बाद शोभायात्रा वापस विवाहस्थल पर पहुंची। शाम को परिणय की शुरुआत हुई। सम्मेलन में रमेश सैनी, राजू सैनी, शंकर चौहान, ओम मिस्त्री, मोहनलाल सरसवाल, किशनलाल सैनी ने आर्थिक मदद के साथ जरूरी सामान भेंट किए।

6 जोड़ों ने थामा एक दूसरे का साथ :

बांदीकुई। महात्मा ज्योतिबा फूले सामाजिक एवं शैक्षिक विकास संस्थान बांदीकुई के तत्वावधान में सोमवार को 11वां सामूहिक विवाह सम्मेलन सैनी कॉलेज परिसर बांदीकुई में आयोजित हुआ। संस्थान के सचिव पार्षद गिर्राज सैनी ने बताया कि सामूहिक विवाह सम्मेलन में 6जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। इनमें संजय संग माया, मनोज संग रेणु, मुंशी संग पिंकी समर्थ संग काली, लोकेश संग छोटी,सुनील संग रेखा परिणय सूत्र में बंध गए।

लोगों ने कन्यादान दिया। इस मौके पर संस्थान के अध्यक्ष मिंटूराम, उपाध्यक्ष रवि कुमार, सचिव गिर्राज सैनी, कोषाध्यक्ष त्रिलोक चंद, जिला प्रमुख हीरालाल सैनी, जिलाध्यक्ष गिर्राज प्रसाद सैनी, पूर्व राज्य मंत्री भूपेन्द्र सैनी, पूर्व समाज कल्याण बोर्ड सदस्य सुनीता सैनी, समाज सेवी भागचंद टांकडा, एसएवीएम स्कूल के अध्यक्ष मुकेश चंद सैनी, पूर्व जिलाध्यक्ष कैलाश चंद, रमेश चंद भोज्यावाला, बाबूलाल सैनी बसवा, नगरपालिकाध्यक्ष इन्दिरा बैरवा, डॉ ओ पी बैरवा, चंद्र मोहन अकोदिया, पार्षद नवल कुमार, दिलीप सैनी, अशोक सैनी, डॉ हरसहाय, डॉ किशन लाल, केशव लाल, किशोरी लाल मुनीम, हरिराम गोलाडा, भगवान सहाय नंदेरा, जगदीश सकरेला, तहसील अध्यक्ष रंगलाल सैनी, जिला मंत्री संतोष कटारिया, रमेशचंद, जिला उपाध्यक्ष हुकुम सैनी, प्रहलाद सैनी, रिंकू सैनी, पुष्पेन्द्र कटारिया, राजेन्द्र आभानेरी, रामकिशोर भांडेडा, छात्रावास अध्यक्ष गिरधारी सैनी,छोटे लाल सैनी, रंगलाल सैनी, मोहनलाल, दीनदयाल सैनी, विश्राम गोलाडा, बाबूलाल गोलाडा, रामबाबू, कमलेश सैनी, ख्यालीराम आदि थे। अतिथियों ने विवाह सम्मेलन के महत्व पर प्रकाश डाला। जोड़ों को 11 प्रकार के जेवर एवं 50 प्रकार के उपहार भेंट किए

23वें सामूहिक विवाह समारोह में 6 जोड़ों ने थामा एक दूसरे का साथ :

आमेर 4 मई। कस्बा स्थित पीली की तलाई ज्योतिराव फुले स्टेडियम में माली सैनी समाज विकास समिति के तत्वावधान में 23वा आदर्श सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन हुआ। जिसमें 7 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे।विवाह सम्मेलन में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष व आमेर विधायक सतीश पुनिया, महापौर मुनेश गुर्जर, कांग्रेस प्रदेश सचिव प्रशांत सहदेव शर्मा, उप जिला प्रमुख मोहन डागर व पूर्व विधायक गंगा सहाय शर्मा ने जोड़ो को आशीर्वाद दिया। इस दौरान बारात पीली की तलाई मोड़ के पास से सज-धजकर बैण्ड-बाजे के साथ शादी के पांडाल में पहुंची जा विधि विधान के साथ फेरे की रस्म व विदाई कार्यक्रम हुआ। इस अवसर पर ईश्वर लाल सैनी,हनुमान सैनी,जयनारायण सैनी,लक्ष्मीनारायण सैनी व अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

कस्बा स्थित पीली की तलाई ज्योतिराव फुले स्टेडियम में माली सैनी समाज विकास समिति के तत्वावधान में 23 वा आदर्श सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन हुआ।जिसमें 7 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे।विवाह सम्मेलन में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष व आमेर विधायक सतीश पुनिया, महापौर मुनेश गुर्जर, कांग्रेस प्रदेश सचिव प्रशांत सहदेव शर्मा,उप जिला प्रमुख मोहन डागर व पूर्व विधायक गंगा सहाय शर्मा ने जोड़ो को आशीर्वाद दिया।इस दौरान बारात पीली की तलाई मोड़ के पास से सज-धजकर बैण्ड-बाजे के साथ शादी के पांडाल में पहुंची जा विधि विधान के साथ फेरे की रस्म व विदाई कार्यक्रम हुआइस अवसर पर ईश्वर लाल सैनी,हनुमान सैनी,जयनारायण सैनी,लक्ष्मीनारायण सैनी व अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

समाज के 5 जोड़े बने हमसफर

शाहपुरा। अक्षय तृतीया के अबूझ सावे पर आज मंगलवार को त्रिवेणीधाम स्थित सैनी धर्मशाला में माली -सैनी समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित हुआ। सम्मेलन में 5 जोड़े हमसफर बने। त्रिवेणी धाम मंदिर से सुबह 9 बजे दुल्हों की बारात निकाली गई। बारात त्रिवेणीधाम के मुख्य मंदिर से होते हुए विवाह स्थल सैनी धर्मशाला पहुंची। जहां पर सामूहिक रूप से तोरण रस्म निभाई गई। इसके बाद गायत्री परिवार शांति कुंज के विद्वान पंडितों ने वर वधुओं का पाणिग्रहण संस्कार विधि विधान से सम्पन्न करवाया।

नव विवाहित जोड़ों को त्रिवेणी धाम के संत रामरिछपाल दास जी महाराज व खोरी परमानंद धाम के हरि ओम दास जी महाराज ने आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चौमूं के पूर्व विधायक भगवान सहाय सैनी मुख्य अतिथि थे।अध्यक्षता एडिशनल एसपी दिलीप सैनी ने की। विशिष्ट अतिथि विराटनगर विधायक इंद्राज गुर्जर, शाहपुरा विधायक ; आलोक बेनीवाल,कांग्रेस प्रत्याशी मनीष यादव, भाजयुमो प्रदेश मंत्री देवायुष सिंह, शाहपुरा नगरपालिका चौयरमैन बंशीधर सैनी, शाहपुरा पंचायत समिति प्रधान मंजू शर्मा, थानागाजी चौयरमेन सीएम सैनी, पूर्व प्रधान मंजू सैनी, राष्ट्रीय फुले ब्रिगेड के अध्यक्ष सीपी सैनी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सामूहिक विवाह जैसे आयोजन समाज को उन्नति की ओर अग्रसर करते है। इससे समाज में समरसता एवं एकता की भावना का विकास होता है। विराटनगर विधायक इंद्राज गुर्जर ने समाज के लोगों की मांग पर सैनी धर्मशाला में सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 10 लाख रुपए देने की घोषणा की। तथा समाज के विकास के लिए हरसंभव मदद करने का आश्वासन दिया। समिति जिलाध्यक्ष साधुराम सैनी, मुख्य संरक्षक पूर्व पालिकाध्यक्ष बद्री प्रसाद सैनी, सैनी माली राष्ट्रीय विकास समिति के प्रदेश अध्यक्ष गुड्डू सैनी, तहसील अध्यक्ष रामनारायण सैनी बंशीधर सैनी,सचिव एडवोकेर मुकेश सैनी, सैनी महासभा के प्रदेश महामंत्री मंजू सैनी, सैन धर्मशाला के अध्यक्ष बाबूलाल सैनी, राजस्थान शिक्षक कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष बाबूलाल सैनी नाथूलाल सैनी, पूर्व पंचायत समिति सदस्य हनुमान सहार सैनी,पार्षद घनश्याम सैनी विपिन बिहारी सैनी,रोशन बागड़ी, पूर्व पार्षद हनुमान सैनी, खाद बीज संघ वे अध्यक्ष गंगाराम सैनी, हाँ सैनी, प्रहलाद सैनी, धौलुरासैनी,महेश सैनी व सीताराम सैनी, सुरेश सैनी आदि अतिथियों का साफा एवं महात्मा ज्योतिबा फुले का दुपट्ट भेंटकर अभिनंदन किया कार्यक्रम का मंच संचालन सीएम सैनी, रामकरण सैनी , सीता राम सैनी ने किया। विवाह समिति की ओर से व को उपहार स्वरूप कन्यादान के रूप में बैड, टीवी, अलमारी पंखे, सिलाई मशीन, बर्तन पांच सोने चांदी के आभूषण प्रदान किए।

टोंक में 70 जोड़ों ने सामूहिक विवाह में थामा हाथ

टोंक 4 मई। अक्षय तृतीया आखातीज पर मंगलवार को जिला मुख्यालय सहित जिलेभर में शादियों की धूम रही। इस कारण फूल-मालाओं के व्यापारी खासे व्यस्त नजर आए। आखातीज पर विभिन्न समाजों की ओर से आयोजित किए गए सामूहिक विवाह सम्मेलनों सहित जिलेभर हजारों की संख्या में विवाह योग्य युवक-युवतियों की शादियां हुई। इस दौरान फूल-मालाओं की बिक्री परवान पर रही तो ब्यूटी पार्लरों पर की खासी भीड़ रही।

वही गाड़ियों की सजावट सहित शादियों में लाखों रुपए की फूल-मालाए बिकने से फूल माला विक्रेता खास उत्साहित नजर आए। नगर परिषद के सामने फूल माला की दुकान लगाने वाले रामसैनी, सीताराम आदि ने बताया कि आखातीज पर शादियों में अच्छी खासी संख्या में फूल मालाएं बिकने से अच्छा मुनाफा हुआ है। और जिलेभर में करीब लाखों रुपए का कारोबार एक ही दिन में हो गया। जिला मुख्यालय पर गोल डूंगरी सरवराबाद में सदर माली सैनी समाज संस्थान के तत्वावधान में 26वें आदर्श सैनी समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन में 70 जोड़ो का सामूहिक विवाह सम्पन्न करवाया गया। सम्मेलन संयोजक रमेश गढ़वाल ने बताया कि सम्मेलन के तहत मालियान मन्दिर पंचकुईयां टोंक से दूल्हों की निकासी रवाना हुई, जो गाजेबाजे से चतुर्भुज तालाब होते हुए सम्मेलन स्थल पहुंची। जहां पर विधिवत तोरण की रस्म के बाद फेरो का कार्यक्रम शुरु हुआ। इस दौरान सम्मेलन अध्यक्ष अचलेश सैनी, महामंत्री पूर्व पार्षद चौथमल सैनी, पीरूलाल पटेल, छोटूलाल गोला, भैरूलाल इंजीनियर, कालू बागड़ी, छोटेलाल एडवोकेट, रामदेव सांखला, प्यारेलाल, तेजमल चौहान, जगदीश निवाईवाल, सीताराम, सीताराम बाबा सहित समाज के सैकड़ों महिला पुरुषों ने भाग लेकर वर-वधुओं का आशीर्वाद दिया।

वही एक दिन पूर्व हुई सांस्कृतिक कार्यक्रम व भामाशाह सम्मान समारोह में प्रदेश के पूर्व कृषि मंत्री प्रभुलाल सैनी, पूर्व विधायक अजीत सिंह मेहता, नगर परिषद की पूर्व सभापति लक्ष्मी जैन, माली समाज के सवाईमाधोपुर जिलाध्यक्ष सीएल सैनी, भागचंद सैनी, भाजपा नेता बेणी प्रसाद जैन, विनायक जैन आदि मौजूद रहे। पूर्व कृषिमंत्री सैनी ने कहा कि सामूहिक विवाह सम्मेलनों से ना सिर्फ समाज में समरसता का माहौल बनता है बल्कि फिजूल खर्ची पर भी रोक लगती है। सांस्कृतिक संध्या में देर रात तक लोगों ने भजनों का आनंद लिया। इसके अलावा जिले कई जगहों पर सामूहिक विवाह सम्मेलन सहित घरों में पर वैवाहिक कार्यक्रम के चलते बैंड-बाजों और डीजे वाले भी काफी व्यस्त रहे।

जयपुर समाज द्वारा आयोजित 28वें सामूहिक विवाह समारोह में 5 जोड़ों ने थामा एक दूसरे का साथ :

जयपुर जिला माली (सैनी) समाज के तत्वावधान में दिनाँक 16 मई को पीपल पूर्णिमा के अबूझ सावे के शुभ मुहूर्त में 28वां सामूहिक विवाह सम्मेलन सम्पन्न हुआ। जिसमें समाज के 5 नवयुगलों ने वैवाहिक सूत्र में बंधे। संस्था की और से पिछले तीन महीने से जिन जिन सामाजसेविगणो, कार्यकर्ताओं, भामाशाहों व दानदाताओं ने संस्था को तन-मन-धन से सहयोग दिया उनका संस्था के समस्त पदाधिकारियों व कार्यकारणी के सदस्यों की ओर से संस्था के अध्यक्ष रोशन सैनी ने हृदय से आभार व्यक्त प्रकट किया। समारोह में प्रभुलाल सैनी पूर्व कृषि मंत्री, सांगानेर विधानसभा के विधायक अशोक लाहोटी, सीताराम अग्रवाल स्वतंत्र निदेशक रीको लि. तथा सम्मेलन में पधारे समस्त पार्षदों व जनप्रतिनिधियों का जिन्होंने अपने व्यस्त समय में से कुछ समय निकाल कर नव विवाहित वर- वधुओं को आशीर्वाद दिया तथा सम्मेलन में उपस्थित जनसमुदाय व आयोजकों का उत्साह बढ़ाया।

भरतपुर में 12 जोड़े बंधे विवाह बंधन में :

भरतपुर। कस्बे के ढंढार वाले हनुमानजी मंदिर में कुशवाह समाज महिला बाल विकास समिति का सामूहिक विवाह सम्मेलन हुआ। जिसमें 12 जोड़े विवाह बंधन में बंधे। सम्मेलन में दूल्हों की निकासी बैंडबाजों के साथ प्रमुख मार्गों से होकर विवाह स्थल पर पहुंची। वहां दूल्हों द्वारा तोरण मारे गए और फिर वरमाला के बाद वर-वधु ने मंत्रोच्चारण के साथ विधि-विधान से सात फेरे लिए।

सामूहिक विवाह सम्मेलन में माहौल कुछ अलग था। वाहनों पर दूल्हें सवार थे, उनके पीछे बाराती बैंडबाजों की धुन पर नाचते कूदते चल रहे थे। जब दूल्हें विवाह स्थल पर पहुंचे तो वहां माइक पर क्रमवार दूल्हों को बुलाकर तोरण मारने की रस्म पूरी कराई। इसके बाद वरमाला होने के बाद दूल्हा-दुल्हन को अलग-अलग मंडपों पर बिठाया गया। प्रत्येक मंडप में हवन वेदी बनाई हुई थी। सभी जोड़ों को पंडित ने माइक पर मंत्रोच्चार कर सात फेरे पूरे कराए। बाराती व घराती पक्ष के लोगों को प्रीतिभोज कराया। शादी में लड़की के लिए घरेलू सामान व जेवरात दिए। सामूहिक विवाह सम्मेलन खेडाठाकुर विधायक भगवानसिंह कुशवाह के मुख्य आतिथ्य एवं ओमप्रकाश कुशवाह की अध्यक्षता में हुआ। विशिष्ट अतिथि भाजयुमो के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष ऋषि बंसल, भाजपा नेत्री डा. रितु बनावत, कुशवाह समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष नूरसिंह कुशवाह, राष्ट्रीय प्रवक्ता चंदनसिंह प्रेमी, बाडी अध्यक्ष विजयसिंह, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, वासुदेव कुशवाह, मुख्य सचिव बदनसिंह कुशवाह, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष मोहनसिंह आगरा, रामबाबू, पूर्वप्रधान रामहेत कुशवाह थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक कुशवाह ने कहा कि सामूहिक विवाह सम्मेलनों से आपसी भाईचारे की भावना पैदा होती है। सामूहिक विवाह सम्मेलन से समाज के गरीब लोगों को राहत मिलती है। इससे समाज के विकास में गति मिलेगी। इस मौके पर समिति अध्यक्षा हेमलता कुशवाह, सम्मेलन अध्यक्ष मोहनसिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। इस मौके पर जिला महामंत्री किशनसिंह, रघुनंदन, रामप्रसाद, विजयभान, चन्द्रभानसिंह, परशुराम, भैरोसिंह, राजाराम, दुर्गासिंह, नत्थीसिंह, सत्येन्द्र आदि मौजूद थे।

कलश यात्रा में 1200 महिलाओं ने की शिरकत

शोभायात्रा के साथ हुआ मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव का आगाज

मारवाड़ जंक्शन। कस्बे के खैरवा रोड स्थित माली समाज काठां चौताला प्रांगण में नवनर्मित संत लिखमीदास महाराज के मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के छह दिवसीय कार्यक्रम का आगाज पं. रामस्नेही महाराज शुक्रताल के सानिध्य में शोभायात्रा के साथ हुआ। शोभायात्रा आऊवा रोड़ स्थित राधे-कृष्ण मंदिर से प्रारम्भ हुई। शोभायात्रा में 1200 महिलाओं व बालिकाओं ने एक रंग की वेशभूषा में एक ही प्रकार का कलश लेकर शोभायात्रा में चल रही थीं। कलश यात्रा आऊवा रोड़ से प्रारम्भ हुई जो अजमेरी गेट, मारवाड़ी बाजार, एनआर गेट, सिंधी बाजार, मैन बाजार, पुलिसथाना, पंचायत समिति रोड़ होते हुए माली समाज काठां शिक्षा प्रचार समिति मारवाड़ जंक्शन पहुंची। शोभायात्रा से पूर्व कार्यक्रम स्थल पर पंच कुण्डीय यज्ञ का आयोजन किया गया। दोपहर में बाल संत अमृतराम महाराज रामद्वारा जोधपुर द्वारा भागवत कथा का वाचन किया गया। प्रसादी का आयोजन किया गया। इस मौके हजारों की संख्या में माली समाज के लोग उपस्थत थे।

आकर्षण का केन्द्र रही शोभायात्रा

कस्बे वासियों के लिए शोभायात्रा आकर्षण का केन्द्र रही। विशाल शोभायात्रा को देखने के लिए कस्बेवासी भी उमड़े पड़े। कोई रोड़ पर खड़ा होकर देख रहा था जो कोई भरी धूप में घरों की छतों पर से शोभायात्रा का नजारा देख रहा था। शोभायात्रा में 1200 कलश के साथ महिलाएं, हाथी, ऊंट व घोड़े आकर्षण का केन्द्र रहे।

नाचते गाते पहुंचे समाज भवन

शोभायात्रा में बुजुर्ग सहित महिलाएं डीजे व बैण्ड की धुन पर नाचते गाते हुए चल रही थीं। लोगों के उत्साह के आगे गर्मी भी फीकी नजर आई। शोभायात्रा का जगह जगह पुष्प वर्षा से स्वागत किया गया। गर्मी को देखते हुए समाज द्वारा जगह-जगह पेयजल की व्यवस्था की गई।

विभिन्न कार्यक्रमों का होगा आयोजन

प्रतिष्ठा महोत्सव के दौरान छह दिवसीय कार्यक्रम में पंच कुण्डिय यज्ञ, श्रीमद् भागवत कथा, व नेनी बाई का मायरा, भक्ति संध्या व अंतिम दिन प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन किया जाएगा।

दोस्त की पहली पुण्यतिथि पर 253 यूनिट रक्तदान

डॉ. दशरथ गहलोत के कोरोना महामारी में देहांत होने पर मित्र मण्डली ने कर्फ्यु में नेट बंद होने पर घर घर जाकर संपर्क कर

जोधपुर 11 मई। दोस्त की पहली पुण्यतिथि पर महामंदिर स्थित भाटी मेमोरियल हॉल में शिविर आयोजित कर दोस्तों ने 253 यूनिट रक्त एकत्रित किया।

कोरोना की दूसरी लहर में 33 साल के डॉ. दशरथ गहलोत जिंदगी की जंग हार गए थे। ऐसे में उनकी पहली पुण्यतिथि पर उनकी स्मृति में परिजनों और मित्रों ने रक्तदान करने की सोची, लेकिन छह दिन तक इंटरनेट बंद रहने से रक्तदाताओं, परिजनों, मित्रों और रिश्तेदारों तक नहीं पहुंचा जा सका। ऐसे में अधिक से अधिक रक्तदान करने के लिए घरवालों ने निमंत्रण पत्र प्रकाशित करवाया और दोस्तों के साथ मिलकर घर-घर जाकर रक्तदान करने के लिए लोगों से संपर्क किया। नतीजतन द्य एक दिन में 253 यूनिट रक्तदान हुआ।

शिविर में राज्य पशुधन विकास बोर्ड अध्यक्ष राजेंद्र सोलंकी, वरिष्ठ न्यूरो सर्जन डॉ. नगेंद्र शर्मा, विधायक मनीषा पंवार, महापौर कुंती परिहार, संस्थान के अध्यक्ष रजत गौड़, सचिव रवि तिवाड़ी, एडीसीपी चौनसिंह महेचा, थानाधिकारी प्रदीप शर्मा, पार्षद मुकेश गहलोत ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया। शिविर में विशनदास गहलोत, महेश, मोहनलाल, दिलीप,दौलत, विक्रम, दशरथ, ओमप्रकाश, पवन, मुकेश, मेवाराम, भारमल, दिव्या, दक्ष, कान्हा और कविता गहलोत ने विशेष सहयोग किया।

दो दिन पूर्व तक इंटरनेट शुरू हुआ तो परिजनों और मित्रों ने रक्तदान शिविर को लेकर सोशल मीडिया पर एक ग्रुप भी बनाया और उससे भी प्रचार किया। भदवासिया निवासी दशरथ के बड़े भाई महेश गहलोत बताते हैं कि जब दशरथ एमडीएम अस्पताल में 17 दिन भर्ती रहे तो उसको तीन यूनिट प्लाज्मा की जरूरत पड़ी। उस समय शहर में प्लाज्मा की बहुत डिमांड थी। तब लाल बूंद जिंदगी रक्षक सेवा संस्थान ने उनकी मदद की। यही कारण है कि यह शिविर लाल बूंद जिंदगी रक्षक सेवा संस्थान की मेजबानी में किया। शिविर को यादगार बनाने के लिए परिजनों ने हर रक्तदाता को हेलमेट दिया और ट्रैफिक नियमों का पालन करने का संकल्प दिलाया।

55 लाख रु की जॉब छोड़ युवाओं का कैरियर बनाने में जुटे नागौर के सतीश टाक 10 वर्षो में अब तक अहमदाबाद में 100 से भी अधिक बच्चों की फीस खुद दे चुके

गुजरात के सीएम ने सतीश को असाधारण कार्य के लिए गौरव पदक से किया सम्मानित

नागौर। भागमभाग की जिंदगी और अपने करियर की चिंता आज के दौर में लोगों को समाज और परिवार से अलग-अलग कर रही है। समाज सेवा का कोई अपना ना होता जिसे जैसा मौका मिले समाज उत्थान में अपना योगदान दे सकता।इसे सच साबित कर रहे है नागौर अतुसर बास ताउसर गांव के सतीश कुमार टाक, जिन्होंने 55 लाख का पेकेज का जॉब छोड़कर बनों का करियर बनाने में रुचि लेकर शिक्षा के क्षेत्र को अपनाया। इस कारण सतीश टाक को गुजरात के मुख्यमंत्री ने 2 मई को सम्मानित भी किया। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र भाई पटेल से गौरव पदक प्राप्त किया है। वे टाईम गुजरात से बच्चों को कैट की तैयारी करवा रहे।

जीवन परिचय : सतीश कुमार टाक अतुसर बास, ताऊसर ग्राम नागौर जिले के मूल निवासी हैं। अपने बचपन में माता-राजू देवी पिता पापा लाल टाक ने कृषि श्रम और ऊंट गाड़ी चालक जैसे छोटे कार्यो के साथ संघर्ष किया क्योंकि 1990 से पहले उनके खेतों में पानी समाप्त हो गया था।

जब वह 5 साल का था, उनका परिवार हैदराबाद से 100 किलोमीटर दूर एक छोटे से शहर जहीराबाद चले गए, जहां उन्होंने एक छोटी सी मिठाई की दुकान स्थापित की थी। अपने बचपन में माता-पिता की मदद करने के लिए दुकान में उत्साह के साथ काम किया वहां दुकान से ही उनकी रूचि गणित विषय में बढ़ गई । जब उनको बिना केलकुलेटर के हिसाब करके पैसे लेने होते थे जैसे समोसा, कचोरी, गुलाब जामुन आदि का ।

सतीश ने तेलुगु माध्यम में अध्ययन किया है क्योंकि यह सस्ता और उनके घर के पास था। फिर उनके आसपास की दुनिया बहुत तेजी से अंग्रेजी शिक्षा की तरफ बदल रही थी तो उन्होंने तेलुगु माध्यम छोड़कर अंग्रेजी माध्यम अपना लिया । अंग्रेजी के साथ बहुत संघर्ष करना पड़ा और 10 वीं कक्षा में दो बार अध्ययन करना पड़ा क्योंकि देर से अंग्रेजी माध्यम का सामना करना मुश्किल था। ज्यादातर लोग 10 वीं के खराब परिणाम के बाद पढाई छोड़ के मजदूर या व्यवसाय में लग जाते हैं। उनके चाचा कमल किशोर टाक ने बहुत ज्यादा प्रोत्साहन किया जिससे पढाई के लिए और मनोबल बढ़ा। 12 वीं विज्ञान से करने के बाद, आईआईएम कलकत्ता से एमबीए करने के बाद, वह हमेशा स्केलेबल व्यवसाय के निर्माण के बारे में उत्साहित थे। अपने शुरुआती दिनों में ओला पर काम किया और ओला के लिए बैंगलोर में एक बड़े पैमाने पर व्यवसाय का निर्माण किया। राजस्थान में ट्रैक्टर रेंटल प्रोजेक्ट शुरू करने में महिंद्रा के साथ काम किया। उदयपुर में 5 ट्रैक्टरों और कृषि उपकरणों के लिए विश्व बैंक अनुदान प्राप्त करने में सहायता प्राप्त करने में स्व-सहायता समूहों की सहायता की। महिंद्रा के ट्रैक्टर के कारोबार को 60 से अधिक डीलरशिप को उद्यमियों तक बढ़ाया। इसके बाद उन्होंने ओयो रूम्स दिल्ली के साथ काम किया और ऑपरेशन को बहुत तेजी से बढ़ाया। व्ल्के सबसे बड़े शहर के लिए लाभप्रदता में वृद्धि की। कैट परीक्षा के लिए प्रसिद्ध टाइम गुजरात के छात्रों को सतीश पढ़ाने का कार्य और मार्गदर्शन कर रहे है जो हर साल उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त कर रहा है जैसे 99.99: । आप द्वारा अपनी व्यक्तिगत क्षमता में कैट कोचिंग के लिए हर साल 10 छात्रों की पढ़ाई प्रायोजित की जाती है, खासकर ग्रामीण या आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि के छात्रों के लिए। गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र भाई पटेल से गुजरात स्थापना दिवस के अवसर पर शिक्षा के क्षेत्र में असाधारण कार्य के लिए **'गुजरात नू गौरव पदक'** प्राप्त किया है। सतीश सक्रिय रूप से आईआईएम अहमदाबाद में स्टार्ट अप और आईआईएम कैन (आईआईएम कलकत्ता एंजेल नेटवर्कत्र) में एक सक्रिय एंजेल निवेशक को सलाह दे रहे हैं। सतीश ने 12 वीं कक्षा में विज्ञान विषय लिया । नारायणा जूनियर कॉलेज हैदराबाद से पढ़ाई की। इंजीनियरिंग में प्रख्यात श्रेष्ठ टेक्निकल यूनिवर्सिटी कुक्कटपल्ली में प्रवेश लेकर कुछ समय बाद महसूस किया कि इस क्षेत्र में रुचि नहीं है।बचपन से पारिवारिक व्यवसाय में दुकान पर काम करने का काफी लाभ मिला और इस प्रकार निजी व्यवसाय में ही रुचि रही।

प्रतिवर्ष 55 लाख का जॉब छोड़कर लोगों का करियर बनाने में रुचि, जोश, जुनून होने की वजह से शिक्षा के क्षेत्र में अपनाया। आज सतीश प्रसिद्ध टाइम गुजरात काम करते हैं जो बच्चे केट की तैयारी करते हैं उनके लिए प्रवेश लेते ही किताबें एवं अन्य अध्ययन सामग्री समय पर उपलब्ध करवाना। नियमित रूप से मोक टेस्ट, मोक टेस्ट में अंक कम आने पर परिणाम सुधारने के लिए टेस्ट व अन्य प्रणाली का कार्य करते हैं।

पूर्व विधायक माधोसिंह कच्छवाह ने कागा तीर्थ के साथ ही जयपुर में लड़कियों के लिए हॉस्टल का निर्माण करवाया

स्व. माधोसिंह कच्छवाह की प्रतिमा का अनावरण शीतला माता मंदिर में संपन्न

जोधपुर. शीतला माता (कागा तीर्थ) ट्रस्ट के आजीवन अध्यक्ष रहे स्मृति शेष माधोसिंह कछवाह की मूर्ति का अनावरण शुक्रवार को सुबह कागा स्थित शीतला माता । मंदिर के अष्ट विनायक सभागार में सूरसागर बड़ा रामद्वारा के महंत संत रामप्रसाद महाराज के सानिध्य में कोरोना गाइडलाईन की पालना के साथ किया गया।

शहर विधायक मनीषा पंवार, महापौर उत्तर क्षेत्र कुंती देवडा परिहार, जेडीए के पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र सोलंकी, समाजसेवी जसवंतसिंह कच्छवाह, माली समाज अध्यक्ष प्रेमसिंह परिहार, समाजसेवी रणवीरसिंह कच्छवाह, हनुमानसिंह खांगटा, पार्षद रामसिंह सांजू, जयंती अरविन्द गहलोत, धनराज मकवाना, राजेन्द्र टाक आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मंदिर के सभी पदाधिकारी, सभी ट्रस्टी, पुजारी मौजूद रहे । शीतला माता ढूकागा तीर्थक्ष, अध्यक्ष निर्मल कछवाह ने सभी का आभार व्यक्त किया। सचिव देवेशसिंह कच्छवाह व मेला अधिकारी कुलदीप गहलोत ने संत व अतिथियों का स्वागत किया।

महंत रामप्रसाद जी महाराज ने माधोसिंह कच्छवाह के कार्यों को याद करते हुए विश्व प्रसिद्ध शीतला माता मंदिर में उनके द्वारा किए गए विकास के कार्यों को याद करते हुए कहा कि माधोसिंह कच्छवाह सरल धार्मिक स्वभाव के मृदुभाषी समाजसेवी थे और उन्होंने न केवल राजनीति में सरदारपुरा विधायक बन जनसेवा की मंदिर के अध्यक्ष रहते हुए शीतला माता जी मंदिर में होने वाले भव्य मेले में आने वाले लाखों भक्तों की सुविधाओं के लिए हर संभव प्रयास किए और आज उन्हीं की मेहनत से मंदिर का भव्य स्वरूप बना हुआ है। आज इसी मंदिर प्रांगण में उनकी प्रतिमा की स्थापना कर उनके पुत्र निर्मल कच्छवाह ने उनकी स्मृति को चिर स्थायी कर दिया।

राज्य सभा सांसद राजेन्द्र गहलोत ने बताया कि उनकी दूरगामी सोच का परिणाम है कि आज जयपुर में भारतीय शिक्षण संस्थान की स्थापना कर राज्य की बालिकाओं महिलाओं के सर्व सुविधा युक्त भवन माधोसिंह कच्छवाह के द्वारा समाज के भामाशाहों के सहयोग से पाँच कॉलोनी में बना कर दिया गया। सावित्री बाई महिला हॉस्टल में राज्य के अनेकों जिलों की लड़कियां जो शिक्षा ग्रहण करने जयपुर आती है वहां रहती है। यहीं नहीं इस भवन में लड़कियों के लिए आधुनिक सुविधाओं के साथ ही अनुशासन एवं सुरक्षा के साथ ही आराम से रहती है। अभी वहां करीब 60 लड़कियां रह रही है। ऐसी श्रेष्ठ सोच के धनी माधोसिंह ने हर क्षेत्र में अपने कार्यशैली से पहचान बनाई है।

जीवन परिचय :

14 सितंबर 1932 को किसान परिवार में बालसंमद मण्डोर गार्डन जन्में राजस्थान विश्वविद्यालय से बी.एससी. तक शिक्षाग्रहण की।

जोधपुर के वार्ड 35 के पार्षद व जोधपुर नगर निगम के उपमाहौपर व सरदारपुरा विधानसभा क्षेत्र से जनता पार्टी विधायक व जोधपुर विश्वविद्यालय सिंडिकेट के सदस्य भी रहे है। जोधपुर संभाग में श्रमिक ठेका सहकारी समितियों, संघ, सहकारी सुपर बाजार, सहकारी उपभोक्ता भण्डार और सहकारी बैंक आदि संस्थओं से सक्रिय रूप से जुड़े हुए रहें और श्रमिक ठेका सहकारी संघ के अध्यक्ष, जोधपुर सुपर बाजार के डायरेक्टर, राजस्थान अरबन कॉपरेटिव बैंक के डायरेक्टर, जोधपुर नागरिक बैंक लि. के अध्यक्ष भी रहे है।

माधोसिंह कच्छवाह राजस्थान माली समाज के अध्यक्ष सन् 1976 से 1977 तक रहे तथा प्रदेश के कई जिलों में समाज के सभा सम्मेलन करवा कर उन्हें शिक्षा, संगठन राजनैतिक चेतना आदि में जागृत किया। आप जोधपुर माली संस्थान के संस्थापकों में से भी एक थे। श्री सुमेर शिक्षण संस्थान के उप-व्यवस्थापक तथा विद्यालय बोर्ड के आजीवन सदस्य भी रहे। भारतीय शिक्षण संस्थान और उम्मेद कन्या पाठशाला के भी अध्यक्ष रहे। आप आध्यात्मिक संस्कृति को जीवन का मुख्य अंग मानते थे। करीब 28 सालों तक श्री शीतला माता (कागा तीर्थ) ट्रस्ट के अध्यक्ष रहते हुए आपने मंदिर का नवीनीकरण करवाया तथा तन मन धन से कागा तीर्थ के विस्तार में आजीवन लगे हुए रहे। आप भाजपा के तीन बार जिलाध्यक्ष भी रहे। आप मिलनसार, समय के पाबंद, बिना भेदभाव के सेवा प्रदान करते रहे है। आपने ठेकेदारी, कृषि, खनन व अन्य कार्य किए। आपके परिवार में तीन पुत्र है बड़े पुत्र विक्रम सिंह तथा सबसे छोटे पुत्र निर्मल सिंह दवाइयों का व खनन व्यवसाय कर रहे है तथा मंजला पुत्र नरेश सरकारी सेवा में इंजीनियर है।

आपके पुत्र निर्मल कच्छवाह आपके पद चिन्हों पर चलते हुए कागा तीर्थ के अध्यक्ष के रूप में तथा भारतीय शिक्षण संस्थान के अध्यक्ष के रूप में जयपुर सावित्री बाई फूले छात्रावास का संचालन कर रहे है और दशकों ने नागरिक सहकारी बैंक में डायरेक्टर, मैनेजमेण्ट एवं चैयरमेन के पद पर चुन कर सेवाएं प्रदान कर रहे हैं।

देश और समाज के लिये प्रेरणा बनी सरिता माली झुग्गी से निकालकर पहुंची कैलिफोर्निया

सरिता माली का उच्च शिक्षा के लिए अमेरिका के विश्वविद्यालय में हुआ चयन

गरीबी में बचपन बीता, सड़कों पर फूल बेचकर स्कूल गई, अब पढ़ने के लिए अमेरिका जा रही है होनहार सरिता

मुंबई। सरिता माली समाज के लिए प्रेरणा हैं। मुंबई की झुग्गी से निकलकर वो पहले जिस तरह से जेएनयू पहुंची और अब पढ़ाई के लिए अमेरिका जा रही हैं वो मिसाल है। सरिता ने अपने संघर्ष की कहानी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए सार्वजनिक की है। सरिता ने बताया कि कैसे वो मुंबई की झोपड़पट्टी में एक छोटे से कमरे में परिवार के साथ रहती थीं और कैसे माता-पिता के साथ सड़कों पर फूल भी बेचकर उन्होंने अपनी पढ़ाई जारी रखी

28 वर्षीय सरिता माली का परिवार मूल रूप से उत्तर प्रदेश के जौनपुर का रहने वाले है। पिता कमाई के लिए मुंबई चले गए थे। इसलिए सरिता का जन्म मुंबई में ही हुआ और वो वहीं बड़ी हुई। सरिता बताती हैं कि 10 बाई 12 के मकान में उनके परिवार के 6 सदस्य रहा करते थे। सरिता ने वहीं रहकर स्नातक की डिग्री हासिल की. इसके बाद जेएनयू आ गई। यहां मास्टर्स की डिग्री लेने के बाद वह आगे की पढ़ाई के लिए अमेरिका जा रही हैं।

सरिता का अमेरिका के दो युनिवर्सिटी में सिलेक्शन हुआ है। पहला युनिवर्सिटी ऑफ कैलीफोर्निया और दूसरा युनिवर्सिटी ऑफ वाशिंगटन. सरिता ने कैलीफोर्निया युनिवर्सिटी को चुना है। इस विश्वविद्यालय में उन्हें उनके मेरिट और अकादमिक रिकार्ड के आधार पर 'चांसलर फेलोशिप' दी है।

सरिता माली फेसबुक पोस्ट करते हुए लिखा है, '**मुंबई की झोपड़पट्टी, जेएनयू, कैलिफोर्निया, चांसलर फेलोशिप, अमेरिका और हिंदी साहित्य... कुछ सफर के अंत में हम भावुक हो उठते हैं. क्योंकि वे ऐसा सफर है जहां मंजिल की चाह से अधिक उसके साथ की चाह अधिक सुकून देती हैं. हो सकता है आपको यह कहानी अविश्वसनीय लगे लेकिन यह मेरी कहानी है. मेरी अपनी कहानी**''

'मैं मूल रूप से उत्तर प्रदेश के जौनपुर से हूं। लेकिन मेरा जन्म और परवरिश मुंबई में हुई। मैं भारत के जिस वंचित समाज से आई हूं। वह भारत के करोड़ो लोगों की नियति है, लेकिन आज यह एक सफल कहानी इसलिए बन पाई है, क्योंकि मैं यहां तक पहुंची हूं।' आगे सरिता लिखती हैं जब आप किसी अंधकारमय समाज में पैदा होते हैं तो उम्मीद की वह मध्यम रौशनी जो दूर से रह-रहकर आपके जीवन में टिमटिमाती रहती है। वही आपका सहारा बनती है। मैं भी उसी टिमटिमाती हुई शिक्षा रूपी रौशनी के पीछे चल पड़ी। मैं ऐसे समाज में पैदा हुई जहां भुखमरी, हिंसा, और गरीबी हमारे जीवन का सामान्य हिस्सा था। हमें कीड़े-मकौड़ों के अतिरिक्त कुछ नहीं समझा जाता था, ऐसे समाज में मेरी उम्मीद थे मेरे माता-पिता और मेरी पढ़ाई।

सरिता आगे लिखती हैं, 'मेरे पिताजी मुंबई के सिग्नल्स पर खड़े होकर फूल बेचते हैं. मैं आज भी जब दिल्ली के सिग्नल्स पर गरीब बच्चों को गाड़ी के पीछे भागते हुए कुछ बेचते हुए देखती हूं तो मुझे मेरा बचपन याद आता और मन में यह सवाल उठता है कि क्या ये बच्चे कभी पढ़ पाएंगे ? इनका आने वाला भविष्य कैसा होगा ?'

जब हम सब भाई- बहन त्योहारों पर पापा के साथ सड़क के किनारे बैठकर फूल बेंचते थे, तब हम भी गाड़ी वालों के पीछे ऐसे ही फूल लेकर दौड़ते थे। पापा उस समय हमें समझाते थे कि हमारी पढ़ाई ही हमें इस श्राप से मुक्ति दिला सकती है। अगर हम नहीं पढेंगे तो हमारा पूरा जीवन खुद को जिन्दा रखने के लिए संघर्ष करने और भोजन की व्यवस्था करने में बीत जायेगा। हम इस देश और समाज को कुछ नहीं दे पायेंगे और उनकी तरह अनपढ़ रहकर समाज में अपमानित होते रहेंगे। मैं यह सब नहीं कहना चाहती हूं, लेकिन मैं यह भी नहीं चाहती कि सड़क किनारे फूल बेचते किसी बच्चे की उम्मीद टूटे उसका हौसला खत्म हो। इसी भूख अत्याचार, अपमान और आसपास होते अपराध को देखते हुए 2014 में मैं जेएनयू हिंदी साहित्य में मास्टर्स करने आई।

सही पढ़ा आपने 'जेएनयू' वही जेएनयू जिसे कई लोग बंद करने की मांग करते हैं, जिसे आतंकवादी, देशद्रोही, देशविरोधी पता नहीं क्या क्या कहते हैं लेकिन जब मैं इन शब्दों को सुनती हूं। तो भीतर एक उम्मीद टूटती है। कुछ ऐसी जिंदगियां यहां आकर बदल सकती हैं। और बाहर जाकर अपने समाज को कुछ दे सकती हैं यह सुनने के बाद मैं उनको खत्म होते हुए देखती हूं। यहां के शानदार अकादमिक जगत, शिक्षकों और प्रगतिशील छात्र राजनीति ने मुझे इस देश को सही अर्थों में समझने और मेरे अपने समाज को देखने की नई प्टि दी। जेएनयू ने मुझे सबसे पहले ईमान बनाया. यहां की प्रगतिशील छात्र राजनीति जो न केवल किसान-मजदूर, पिछड़ों, दलितों, आदिवासियों, गरीबों, महिलाओं, अल्पसंख्यकों के हक के लिए आवाज उठाती है बल्कि इसके साथ - साथ उनके लिए अहिंसक प्रतिरोध करने का साहस भी देती है. जेएनयू ने मुझे वह ईमान बनाया, जो समाज में व्याप्त हर तरह के शोषण के खिलाफ बोल सके।

मैं बेहद उत्साहित हूँ कि जेएनयू ने अब तक जो कुछ सिखाया उसे आगे अपने शोध के माध्यम से पूरे विश्व को देने का एक मौका मुझे मिला है। 2014 में 20 साल की उम्र में मैं यहां मास्टर्स करने आई थी और अब यहां से MA, M-PhiL की डिग्री लेकर इस वर्ष PhD जमा करने के बाद मुझे अमेरिका में दोबारा PhD करने और वहां पढ़ने का मौका मिला है।

श्पढ़ाई को लेकर हमेशा मेरे भीतर एक जुनून रहा है। 22 साल की उम्र में मैंने शोध की दुनिया में कदम रखा था. खुश हूं कि यह सफर आगे 7 वर्षों के लिए अनवरत जारी रहेगा। सरिता माली ने आगे उन तमाम लोगों का शुक्रिया अदा किया है जिन्होंने उनकी जिंदगी में उनका साथ बखूबी निभाया। उनके इस पोस्ट पर लोग उन्हें बधाइयाँ और शुभकामनाएं दे रहे हैं। फिलहाल, सरिता माली की झुग्गियों से यहां तक का सफर नौजवानों के लिए प्रेरणादायक है।

हमें गर्व है हमारे समाज की बेटी जो कि विषम परिस्थिति में रहते हुए भी अपनी शिक्षा जारी रखते हुए आज इस मुकाम पर पहुंची है। इनके माता पिता का भी अभिनंदन जिन्होंने सरिता को हमेशा शिक्षित होने के लिए प्रोत्साहित किया।

15 मई विश्व परिवार दिवस पर मिलिए समाज के अनोखे संयुक्त परिवार से

अजमेर। वर्तमान दौर में संयुक्त परिवार का कल्चर लगभग खत्म सा हो रहा है। जहां मिजोरम के जिओना चाना के परिवार में 181 सदस्य सुनकर सुनकर लोग चौंक जाते हैं। साथ ही जिओना चाना के परिवार को देश का सबसे बड़ा परिवार माना जाता है, लेकिन अजमेर में भी एक परिवार है, जिसमें कुल 185 सदस्य है।

यह परिवार नसीराबाद उपखंड के रामसर गांव में रहता है। बड़ी बात यह है कि 185 सदस्यों का संयुक्त परिवार आज भी हंसी खुशी रहता है। इस परिवार के सभी फैसले मुखिया भंवरलाल सैनी ही लेते हैं। परिवार के लोगों के लिए 75 किलो आटे की रोटियां बनाई जाती है जो लगभग 10 चूल्हों पर बनती है।

दादा ने दी संयुक्त रहने की सीख, आज सब साथ : रामसर के माली परिवार के भागचंद माली ने बताया कि उसके दादा सुलतान माली थे। यह उनका परिवार है। सुलतान माली के 6 बेटे थे, जिनमें उसके पिता भंवर लाल सबसे बड़े थे। वहीं उनके अन्य छोटे भाइयों में रामचंद्र, मोहन, छगन, बिरदीचंद और छोटू थे। शुरू से ही उनके दादा सुलतान माली ने सबको साथ रखा और हमेशा संयुक्त रहने की सीख दी। इसका नतीजा आज भी उनका परिवार साथ है।

चुनावों में दी जाती है विशेष तवज्जों : भागचंद माली ने बताया कि उनके परिवार में 55 पुरूष, 55 महिलाएं और 75 बच्चे हैं। उनके परिवार में लगभग 125 से अधिक मतदाता है। इसके चलते चाहे सरपंच का चुनाव हो या

अजमेर के नसीराबाद के पास रामसर गांव में स्वर्गीय सुलतान माली एवं कालूदेवी का परिवार। 95 वर्षीय भंवर माली है मुखिया। 55 पुरुष 55 महिलाएं और 75 बच्चे वर्तमान में कुल सदस्य 185। 60 भैंसे 40 गायें, 11 चूल्हों पर रोज बनती हैं 75 किलो आटे की रोटियां और 50 किलो सब्जी

है ना अनोखा परिवार

हम सभी समाज के सबसे बड़े संयुक्त परिवार का अभिनंदन करते हैं

अन्य कोई चुनाव, सभी चुनावों में उनके परिवार को विशेष तवज्जो दी जाती है।

खेती, डेयरी और बिल्डिंग मैटेरियल का करते हैं काम : भागचंद माली ने बताया कि पूर्व में उनका परिवार केवल खेती पर निर्भर था, लेकिन इसके बाद में जैसे जैसे परिवार बढ़ता गया तो उन्होंने आय के साधन भी बढ़ाए। अब उनका परिवार खेती के साथ, डेयरी और बिल्डिंग मैटेरियल का काम भी करता था, जिससे उनके परिवार का भरण पोषण होता है।

छोटी-मोटी बातों को करें नजरअंदाज : इस परिवार के मुखिया भंवरलाल माली ने कहा कि संयुक्त परिवार में जो मजा है वह एकल परिवार में नहीं है। आज भी संयुक्त परिवार की ओर वापस लौटना चाहिए। एकल परिवार के कारण ही अपराध भी बढ़ रहे हैं और संस्कारों का भी अभाव है। उन्होंने कहा कि संयुक्त परिवार में कई बार कठोर निर्णय भी लेने पड़ते हैं।

आर्थिक रूप से भी मजबूत रहता है संयुक्त परिवार : उन्होंने आमजन से अपील की है संयुक्त परिवार में रहें और छोटी -मोटी बातों को नजरअंदाज करें। संयुक्त परिवार में रहने के कई फायदे भी उन्होंने गिनाए। उन्होंने कहा कि संयुक्त परिवार में किसी भी काम या अन्य कोई भी बोझ किसी एक पर नहीं पड़ता है वहीं एकल परिवार में अकेले व्यक्ति पर ही सारा बोझ आता है। वहीं संयुक्त परिवार में रहने से आर्थिक रूप से भी मजबूत रहते हैं।

पिता अखबार बेचते हैं, मां आंगनवाड़ी में, ट्यूशन पढ़ाकर अपने दम पर समाज को किया गौरवान्वित

भारती सैनी बनी हरियाणा कैडर आई.ए.एस.

कठोर परिश्रम के द्वारा किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। हरियाणा की बेटी शिवजीत भारती सैनी ने जीवन के कड़े संघर्ष के बाद हरियाणा कैडर IAS ऑफिसर बनकर जो मुकाम हासिल किया, उससे उनके माता पिता और सारे राज्य का नाम रौशन हो गया है। भारती एक अखबार बेचने वाले गुरनाम सैनी की बेटी हैं, लेकिन फिर भी उन्होंने सभी प्रतियोगियों को कड़ी टक्कर दी। हरियाणा में सिविल सर्विस परीक्षा में कुल 48 परीक्षार्थियों कामयाब रहे, जिनमें भारती का भी नाम है।

पिता अख़बार बांटते हैं और माँ करती हैं आंगनबाड़ी में नौकरी :

शिवजीत भारती और उनका सारा परिवार हरियाणा के जैसिंहपुरा गाँव में रहते हैं। वहाँ पर उनके पिता रोजाना सुबह सभी के घरों में अखबार बांटने का काम किया करते हैं तथा उनकी माँ शारदा सैनी आंगनबाड़ी में काम करती हैं। जाहिर है ऐसी परिस्थितियों में उनके परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है। फिर भी भारती ने यूपीएससी की परीक्षा में सफल होकर कामयाबी के नए आयाम रचे।

बिना कोचिंग घर पर ही पढ़ाई की :

जैसा कि हमने बताया भारती के परिवार की आर्थिक दशा अच्छी नहीं थी ऐसे में उनके पास इतने पैसे नहीं थे कि वे कोई अच्छी कोचिंग जॉइन करके इस परीक्षा की तैयारी कर पातीं। फिर भी उन्होंने अपने आत्मविश्वास को डगमगाने नहीं दिया तथा खुद को विश्वास दिलाया कि सेल्फ स्टडी करके ही परीक्षा देंगी और उसमें सफल भी हो कर रहेंगी। फिर उन्होंने अपने घर पर ही सिविल सर्विसेज की परीक्षा की तैयारियाँ शुरू की। उनकी मेहनत रंग लाई और पहले ही प्रयास में उन्होंने हरियाणा में यह परीक्षा पास कर ली।

एक मीडिया चैनल के द्वारा जब उनका इंटरव्यू लिया गया तब उन्होंने बताया की जब उनकी शिक्षा पूरी हो गई थी तब उनके माता पिता चाहते थे कि वह शादी कर लें, उनके आस-पड़ोस ए तथा रिश्तेदारों और परिवार वालों द्वारा भी उन पर शादी करने को लेकर जोर दिया जा रहा था। परंतु उन्होंने सभी से कहा कि जब तक मैं कुछ बन नहीं जाती तब तक शादी नहीं करेंगी।

बच्चों को ट्यूशन पढ़ाकर उठाया पढ़ाई का खर्च :

भारती को इस परीक्षा की तैयारी के लिए किताबें वगैरह खरीदने की आवश्यकता थी तो उन्होंने अपने घर पर ही बच्चों को ट्यूशन पढ़ाना शुरू किया और फिर उससे जो फीस प्राप्त हुई उससे किताबें और अपना पढ़ाई का खर्च उठाया। इनकी छोटी बहन पोस्ट ग्रेजुएशन की पढ़ाई कर रहे हैं तथा एक छोटा भाई भी है, जो दिव्यांग है। घर की इन परिस्थितियों में भी उन्होंने खुद को कमजोर नहीं पड़ने दिया और पढ़ाई करती रहीं। भारती ने भी वर्ष 2015 में पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ से मैथ्स ऑनर्स से पोस्ट ग्रेजुएशन पूरा किया था।

हमें समाज की बेटी पर गर्व है भारती ने माता पिता परिवार के साथ ही समाज को गौरवान्वित किया है। हम भारती के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

डॉ. दिलीप कच्छवाह बनें मेडिकल कॉलेज प्राचार्य

जोधपुर 14 मई। राज्य सरकार ने डॉ. एनएस मेडिकल कॉलेज आचार्य चर्म एवं रति रोग विभाग के वरिष्ठ आचार्य डॉ. दिलीप कच्छवाह को प्राचार्य पद पर नियुक्ति के आदेश जारी हुए। डॉ. कच्छवाह ने बताया कि उनका प्राथमिक ध्येय मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा एवं जाँच योजना को पक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना है। भावी डॉक्टरों के एजुकेशन में सुधार करना, 2 से 3 महिनों में एमडीएम अस्पताल के न्यू ट्रोमा हॉस्पिटल को आमजन की सुविधा हेतु प्रारम्भ करवाने, ट्रोमा सेंटर के लिए पुरानी सीटी स्केन मशीन को जगह नई 256 स्लाइस सीटी स्केन लगाने सहित कई कार्यों को प्राथमिकता में शुमार किया।

कई सम्मानों से नवाजे जा चुके है डॉ. दिलीप :

आपको अनेकों बार राष्ट्रीय अंतराष्ट्रीय स्तर पर चर्म एवं रति रोग विभाग में किए गए उत्कर्ष कार्य के लिए सम्मानित किया जा चुका है। इसके साथ ही 2005 में इंटरनेशनल पिग्मेंट एशियन फेलोशिप अवार्ड सहित कई सम्मानों से आप सम्मानित हो चुके है। समाज के प्रबुद्धजनों के साथ जोधपुर के अनेकों संगठनों ने डॉ. दिलीप कच्छवाह को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की।

महात्मा ज्योति बा फुले की जीवन गाथा

रचनाकार : कांति प्रसाद सैनी, जनूथर

जब फैल जाता है अंधेरा, निशा का राज होता है।
विचरते हिंसक पशु निर्भय, निर्बल शिकार होता है।
नियम कानून ना नैतिकता, क्रूर दानवता होती है।
जिधर देखो उधर दिखती, एक बर्बरता होती है।
सिसकती भीतर ही भीतर, मनुजता छिप कर रोती है।
राज पशुता का जहां होता, वहीं हालत यह होती है।
भारत के मध्य काल में भी, मानवता लज्जित होती थी।
बेबस और लाचार हुई, भारत माता भी रोती थी।
बेटे थे उसके किंतु कभी, सम व्यवहार नहीं करते थे।
अपने बेगानों के संग मिल, अपनों से नफरत करते थे।
बन गए पुण्य जन कुछ समाज के, कुछ बन ठेकेदार बने।
समेट लिए अधिकार स्वयं तक, और कुछ चौकीदार बने।
बड़ा वर्ग हिंदू समाज का, सेवक जन कहलाता था।
सेवा करना परम धर्म, कर्मों का फल कहलाता था।
सुख संपदा जमा थी केवल, कुछ लोगों की मुट्ठी में।
बहुसंख्यक को झोंक दिया था, दुख अभाव के भट्ठी में।
शिक्षा का अधिकार नहीं था, ना खान-पान पहनावे का।
यहां तक की बस्ती अलग बसा दी, राह बीच नहीं आने का।
नारी का सम्मान नहीं था, देहली लक्ष्मण रेखा थी।
जला दिया जाता पति के संग, जब वह विधवा होती थी।
भर जाता जब घड़ा पाप का, कोई फोड़ने आता है।
बलय बना मानव विरुद्ध जो, उसे तोड़ने आता है।
मिट जाता साम्राज्य निशा का, प्रात:काल जब होता है।
ठहर नहीं पाता तम भू पर, रवि जब उदय गगन होता है।
दिन था वह ग्यारह अप्रैल का, साल अठारह सत्ताइस की।
भारत माता के आंचल में,ज्योति रवि की एक चमकी।
सूरज उदय हुआ पुणे में, गोविंदराव फुले के घर।
एक अलौकिक दिव्य ज्योति थी, उसके सुंदर चेहरे पर।
सुषमा निरख तेजमय आनन, लज्जित हो शर्माती थी।
माता विमला बाई खुशी से, फूली नहीं समाती थी।
किंतु अभागिन थी वह माता, अधिक प्यार ना दे पाई।
छोड़ अकेला अपने लाल को, स्वर्ग लोक को वह धाई।
नौ महीने की आयु थी, सगुनाबाई ने पाला था।
मां की ममता का प्यार दिया, उसको जो जगत उजाला था।
शाला पढ़ने सात बरस, की आयु में भेज दिया।
किंतु जातिगत भेदभाव-वश, शाला जाना छोड़ दिया।
पढ़ना नहीं छोड़ा ज्योतिबा, घर पर रहकर वह पढ़ता।
पढ़-पढ़ घर पर विविध पुस्तकें, विशुद्ध ज्ञान अर्जित करता।
विविध विषयों पर वह बालक,वृद्धों से चर्चा करता था।
सूक्ष्म-तर्कसंगत बातों से, प्रभावित मन करता था।
गफ्फार बेग और लेजिट ने, पढ़ने की ललक देख इनकी।
प्रवेश दिलाया स्कूल में तो, साध पूर्ण हो गई मन की।
उम्र चौदह थी जब अंग्रेजी, स्कूल में प्रवेश लिया।
बीस वर्ष की आयु में, स्कूली शिक्षण पूर्ण किया।
उम्र नहीं होती बाधा, पढ़ने का पक्का इरादा हो।
ढह जाती दीवार प्रस्तर की, जर्जर लकड़ी का बुरादा हो।
विवाह हुआ जब ज्योतिबा का, उम्र तेरह साल की थी।
सावित्रीबाई भी तब तो, बालिका नौ ही साल की थी।
स्वयं भी पढ़ते उसे पढ़ाते, खेतों पर आते जाते।
लेकिन ठेकेदार समाज के, सहन नहीं यह करपाते।
झुके नहीं हर कदम उनका, निर्भय पथ पर बढ़ा चला।
प्रथम शिक्षिका बन भारत की, नारी शिक्षा का दीप जला।
तोड़ रूढ़ियां हिंदू समाज की, वे आवाज उठाने लगे।
स्त्री-शिक्षण विधवा-विवाह, पुनर्विवाह कराने लगे।
छुआछूत और जाति-पाति का, बाल-विवाह विरोध किया।
उच्च वर्ण के समर्थ जनों से, कैसा पंगा मोल लिया।
निकलवा दिया दोनों को घर से, डाल दबाव पिताजी पर।
किंतु डिगे नहीं अटल लक्ष्य से, बढ़ते रहे सत्य पथ पर।
पहली कन्या पाठशाला भारत की, पुणे में खोल और खोलीं।
लगा दिया जीवन सेवा में, दलितों की आंखें खोलीं।
अग्रदूत बन सामाजिक - क्रांति की मशाल जलाने लगे।
आत्म सम्मान मिले हर जन को, भाव हृदय में जगाने लगे।
सत्य शोधक समाज संगठन, ज्योतिबा फुले बनाया था।
दलित वर्ग और निर्बल जन को, जिसने न्याय दिलाया था।
साल अठारह सौ अठासी, मुंबई सभा विशाल हुई।
ज्योतिराव फुले को उसमें, महात्मा जी की उपाधि दई।
किसान मजदूर आंदोलन का, भारत में सूत्रपात किया।
निश्चित घंटे किए काम के, और मध्य आराम किया।
गर नहीं होते फुले महात्मा , भारत शिक्षित नहीं होता।
रह जाते बहुजन सब अनपढ़, समाज विकास नहीं होता।
शिक्षा ही वह चाबी है, जिससे खुलते सब ताले हैं।
मान सम्मान वित्त पद मिलते, मिट जाते सब जाले हैं।
ज्योति देखकर जिस सूरज की, अंधियारा भी परस्त हुआ।
28 नवंबर 1890 को, वह सूरज भी अस्त हुआ।
करें समीक्षा ज्योतिबा की, शब्द बांध नहीं पाएंगे।
व्यक्तित्व विराट रहा उनका, हम क्या संज्ञा दे पाएंगे।

'समाज सुधारक चिंतक लेखक, क्रांतिकारी विचारक थे।
अग्रदूत शैक्षिक क्रांति के, और अछूत उद्धारक थे।
प्रणेता सामाजिक समता, साथी मजदूर किसान के।
समाज प्रबोधक बहुजन रक्षक, संबल नारी सम्मान के।'

माली समाज विकास संस्थान का 19 वार्षिक उत्सव धूमधाम से संपन्न

भीनमाल। माली समाज विकास संस्थान सुंधा पर्वत धर्मशाला का 19वां वार्षिक उत्सव एवं शिक्षा जागृति सम्मेलन चेतन गिरी महाराज के सानिध्य आयोजित किया गया जिसमें मैं मुख्य अतिथि राज्यसभा सदस्य राजेंद्र गहलोत राजस्थान सरकार के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के भतीजे वह कांग्रेस के युवा नेता राजेश गहलोत अतिथि के नाते जालौर जिला कलेक्टर निशांत जैन जालौर पुलिस अधीक्षक डॉक्टर हर्षवर्धन अगरवाला संस्था के अध्यक्ष गलबा राम संदेशा डीसा गुजरात संस्था के संरक्षक शंकर भाई टोरसो वीर झाडोली हाल मुंबई सिरोही बाबा रामदेव होटल के रघु भाई देवड़ा सह सचिव छगन लाल माली रुकमणी ज्वेलर्स जालौर भगवानाराम माली नवीन काका डीसा डाया भाई डीसा अंबालाल परिहार मोती बाबा सांखला महेंद्र परिहार विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता भरत देवड़ा जिला परिषद सदस्य प्रवीण मालीए, रूपाराम माली, वजाराम माली जसवंतपुरा, भारता राम सुंदेशा भीनमाल, मोहन लाल कच्छवाह, चौनाराम माली हाल मुम्बई, जिला कलेक्टर निशांत जैन डॉक्टर हर्षवर्धन अग्रवाल का संस्था की ओर से साफ व माला पहनाकर बहुमान किया गया साथ ही माली समाज विकास संस्थान सुंधा पर्वत पर भजन संध्या का भी आयोजन किया गया जिसमें माली समाज के भजन सम्राट प्रकाश माली बालोतरा रमेश माली रामेश्वर माली एडवोकेट प्रकाश माली प्रकाश माली डीसा सहित समाज के सभी भजन कलाकारों ने भाग लिया साथ ही एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दी साथ में वार्षिक उत्सव पर कमरा निर्माण को लेकर भी चढ़ावे की बोलियां बोली गई।

जिन भामाशाह ने कमरा निर्माण को लेकर सहयोग के रूप में राशि दी उनका भी संस्था की ओर से माला साफ स्मृति सिंह देकर बहुमान किया गया साथ ही संस्था के अध्यक्ष गलबा राम जी ने बताया कि समाज के अंदर ज्यादा से ज्यादा बच्चियों को स्कूल भेजें शिक्षा में जागृति लाएं और उन्होंने कहा कि हमारे पूरे ग्रुप में सुंधा माता धर्मशाला निर्माण वह सुंधा माता के नीचे तलेटी पर जो निर्माण कार्य हो रहा है उसको भी हम सभी लोग मिलकर कार्य करने में। साथ ही सभी समाज बंधुओं का वार्षिक उत्सव सफल बनाने में सहयोग किया उन सभी का आभार व्यक्त किया मंच का संचालन भंवर लाल माली ने किया।

एम. डी. प्रमोद टाक के प्रयासों से राजस्व वसूली में जोधपुर डिस्कॉम ने रचा कीर्तिमान

जोधपुर। जोधपुर डिस्कॉम ने वर्ष 2021-2022 में विषम परिस्थितियों के बावजूद लगभगशत प्रतिशत राजस्व वसूली कर कीर्तिमान स्थापित किया है। इसके लिए प्रबंध निदेशक प्रमोद टाक ने समस्त अभियंताओं, अधिकारियों, कार्मिकों और तकनीकी कर्मचारियों को बधाई देते हुए उनका आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि उनके अथक प्रयासों से ही यह संभव हो सका। जिसे निरन्तर जारी रखना है। जोधपुर डिस्कॉम ने पिछले वर्ष की तुलना में 911 करोड़ अधिक का राजस्व संग्रहित किया। डिस्कॉम टीम ने इस वर्ष 17,668 करोड़ का राजस्व संग्रहित कर कीर्तिमान रच दिया। गौरतलब है कि बीते साल कोरोना की तीसरी लहर के कारण विषम परिस्थितियां रही, लेकिन जोधपुर डिस्कॉम की टीम ने अपनी पूरी ताकत व संसाधनों का उपयोग करते हुए। रिकार्ड राजस्व वसूली की।

प्रबंध निदेशक प्रमोद टाक ने बताया कि जोधपुर डिस्कॉम टीम ने टीएंडडी लॉसेस में भी कमी की है। पिछले वर्ष 2020- 2021 में टीएंडडी लॉसेज 21.42 प्रतिशत थे जो अब घटकर इस वर्ष 2021-2022 में 21.14 प्रतिशत रह गये हैं। प्रबंध निदेशक प्रमोद टाक ने समस्त अभियंताओं और अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे गर्मी के मौसम को देखते हुए व्यापक व्यवस्थाएं रखे ताकि किसी भी स्थिति में अकारण बिजली आपूर्ति व्यवस्था बाधित नहीं हो। विशेषकर बिजली में व्यवधान के कारण पेयजल आपूर्ति किसी भी सूरत में प्रभावित नहीं होनी चाहिए।

समाज के परिचय सम्मेलन में 425 युवकों एवं 50 युवतियों ने दिया परिचय

ब्यावर। श्री क्षेत्रीय फूल मालियान पंचायत बड़ा बास सूरज पोल गेट के तत्वाधान मै आयोजित माली सैनी समाज के युवक युवतियों का सामूहिक परिचय सम्मेलन ब्यावर के केसरिनंदन मैरिज गार्डन मै सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ।

मालियान पंचायत बड़ा बास अध्यक्ष गोपाल गहलोत और विवाह समिति संयोजक कैलाश गहलोत ने बताया कि कार्यक्रम कि शुरुआत ज्योतिबा फुले सर्कल पर ढ़ोल धमाको के साथ ज्योतिबा फुले किया मूर्ति पर माला पहनाकर किया गया तथा उसके बाद लिखमीदास जी महाराज, सावित्री बाई फुले कि तस्वीर पर दीप प्रज्जलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई तथा गणेश वंदना के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत संजय सिंह गहलोत द्वारा देश भक्ति पर प्रस्तुति दी गई और पायल ग्रुप द्वारा भव्य नृत्य किया गया। कार्यक्रम मै मंच का संचालन रमेश दगदी और दिनेश भाटी द्वारा किया गया।

विवाह समिति अध्यक्ष मोहनलाल दगदी और सहसंयोजक मोती सिंह सांखला नें बताया कि समाज के सभी युवक युवतियों के कर्मवार परिचय स्टेज पर करवाया गया परिचय सम्मेलन मै माली सैनी समाज के 425 युवको और 50 युवतियों नें अपना वैवाहिक परिचय दिया। परिचय सम्मेलन मै मध्यप्रदेश, दिल्ली, गुजरात, उत्तरप्रदेश, बैंगलोर, चेन्नई जोधपुर, पाली, अजमेर, भीलवाड़ा, सीकर, बाड़मेर, बिकानेर, नागोर, टोंक, उदयपुर सहित अन्य जगहों से माली सैनी समाज के लोगो नें भाग लिया.. कार्यक्रम मै सामूहिक भोज का भी आयोजन किया गया जिसमे 4 हजार समाज बंधुओ नें भाग लिया। कार्यक्रम स्थल को भव्य बंगाली टेंट और डेकोरेशन से सजाया गया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में डूंगर सिंह सांखला,मदन लाल सोलंकी, राकेश सांखला, पृथ्वी राज सांखला, पुखराज चौहान, कैलाश टांक, माली ओमाराम सांखला, रामप्रताप सांखला, अशोक भाटी, जगदीश सांखला, दिनेश भाटी, रमेश दगदी, सुरेश दगदी, ललित गहलोत, दिलीप दगदी, नवीन भाटी, सुनील सांखला, कालू भाटी, हंसराज सांखला, रवि गहलोत, रमेश मारोठिया, विनोद गहलोत, तुलसीराम भाटी, मनीष परिहार, मुकेश चौहान, नवल चौहान, आनंद सांखला, महेश चौहान, अशोक सांखला, सोहन लाल सांखला,हरी कच्चावा, प्रमोद सांखला, गोरीशंकर सांखला, ओम प्रकाश गहलोत, श्रवण सांखला, कालू सोलंकी, पपु भाई चौहान,बुधराज चौहान,कैलाश माली आदि कार्यकर्ता शामिल थे।

कार्यक्रम में पूर्व सभापति बबिता चौहान, कमला दगदी, मुकेश सोलंकी, शशि बाला सोलंकी, पार्षद सुनीता भाटी शालनी सांखला जगदीश सांखला, पार्षद कमला दगदी, मनोज तंवर सहित अनेकों प्रबुद्धजनों ने भाग लिया।

माली सैनी संदेश के आजीवन सदस्यता सूची

श्री रामचंद्र गोविंदराम सोलंकी, जोधपुर
श्री नरेश स्व. श्री बलदेवसिंह गहलोत,जोधपुर
श्री प्रभाकर टाक (पूर्वअध्यक्ष नगर पालिका), पीपाड़
श्री बाबूलाल(पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका), पीपाड़
श्री बंशीलाल मरोठिया, पीपाड़
श्री बाबूलाल पुत्र श्री दयाराम गहलोत, जोधपुर
श्री सोहनलाल पुत्र श्री हापुराम देवड़ा, मथानियां
श्री अमृतलाल पुत्र श्री ब्रह्मसिंह परिहार, जोधपुर
श्री भोमाराम पंवार(पूर्व उपा., नगरपालिका, बालोतरा
श्री रमेशकुमार पुत्र श्री शंकरलाल गहलोत, बालोतरा
श्री लक्ष्मीचंद पुत्र श्री मोहनलाल सुंदेशा, बालोतरा
श्री वासूदेव पुत्र श्री बाबूलाल गहलोत, बालोतरा
श्री मेहश पुत्र श्री भगवानदास चौहान, बालोतरा
श्री हेमाराम पुत्र श्री रूपाराम पंवार, बालोतरा
श्री छगनलाल पुत्र श्री मिश्रीलाल गहलोत, बालोतरा
श्री सोनाराम पुत्र श्री देवाराम सुंदेशा, बालोतरा
श्री सुजाराम पुत्र श्री पुनम सुंदेशा, बालोतरा
श्री नरेन्द्रकुमार पुत्र श्री अणदाराम पंवार, बालोतरा
श्री शंकरलाल पुत्र श्री मिश्रीमल परिहार, बालोतरा
श्री घेवरचंद पुत्र श्री भोमजी पंवार, बालोतरा
श्री रामकरण पुत्र श्री किशनाराम माली, बालोतरा
श्री रतन पुत्र श्री देवजी परिहार, बालोतरा
श्री मोहनलाल पुत्र श्री रतनाजी परमार, बालोतरा
श्री कैलाश काबली(अध्यक्ष माली समाज), पाली
श्री घीसाराम देवड़ा(मं. महामंत्री, भाजपा), भोपालगढ़
श्री शेषाराम पुत्र श्री मांगीलाल टाक, पीपाड़
श्री बाबूलाल माली,(पूर्व सरपंच, महिलावास) सिवाणा
श्री रमेशकुमार सांखला, सिवाणा
श्री श्रवणलाल कच्छवाहा, लवेरा बावड़ी
संत श्री हजारीलाल गहलोत, जैतारण
श्री मदनलाल गहलोत, जैतारण
श्री राजूराम सोलंकी, जालोर
श्री जितेन्द्र जालोरी, जालोर
श्री देविन लच्छाजी परिहार, डीसा
श्री हितेशभाई मोहनभाई पंवार, डीसा
श्री प्रकाश भाई नाथालाल सोलंकी, डीसा
श्री मगनलाल गीगाजी पंवार, डीसा
श्री कांतिभाई गलबाराम सुंदेशा, डीसा
श्री नवीनचंद दलाजी गहलोत, डीसा
श्री शिवाजी सोनाजी परमार, डीसा
श्री पोपटलाल चमनाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री भोगीलाल डायाभाई परिहार, डीसा
श्री मुकेश ईश्वरलाल देवड़ा, डीसा
श्री सुखदेव वक्ताजी गहलोत, डीसा
श्री दरगाजी अमराजी सोलंकी, डीसा
श्री भरतकुमार परखाजी सोलंकी, डीसा
श्री जगदीश कुमार रमाजी सोलंकी, डीसा
श्री किशोरकमुार सांखला, डीसा
श्री बाबूलाल गीगाजी टाक, डीसा
श्री देवचंद, रगाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री सतीशकुमार लक्ष्मीचंद सांखला, डीसा
श्री गणपतलाल नारायण सोलंकी, डीसा
श्री रमेशकुमार भूराजी परमार, डीसा
श्री वीराजी चेलाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री सोमाजी रूपाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री शंकरलाल नारायणजी सोलंकी, डीसा
श्री फुलाजी परखाजी सोलंकी, डीसा
श्री अशोककुमार पुनमाजी सुंदेशा, डीसा
श्री देवाराम पुत्र श्री मांगीलाल परिहार, जोधपुर
श्री संपतसिंह पुत्र श्री बींजाराम गहलोत, जोधपुर
श्री भगवानराम पुत्र श्री अचलुराम गहलोत, जोधपुर
श्री जितेन्द पुत्र श्री प्रेमसिंह कच्छाहा, जोधपुर
श्री सीताराम पुत्र श्री रावतमल सैनी, सरदारशहर
श्री जीवनसिंह पुत्र श्री शिवराज सोलंकी, जोधपुर
श्री घेवरजी पुत्र श्री भोमजी, सर्वोदय सोसायटी, जोधपुर
श्री जयनाराण गहलोत, चौपासनी चारणान, मथानियां
श्री अशोककुमार, श्री लक्ष्मीनारायण सोलंकी, जोधपुर
श्री मोहनलाल, श्री पुरखाराम परिहार, चौखा, जोधपुर
श्री प्रेमकिशन पुत्र श्री भंवरलाल सोलंकी, चौखा
श्री हरीसिंह पुत्र श्री चुन्नीलाल गहलोत, जैसलमेर
श्री विजय परमार, तुषार मोटर्स एण्ड कंपनी, भीनमाल
श्री भंवरलाल पुत्र श्री किस्तुर सोलंकी, भीनमाल
श्री शिवलाल परमार, भीनमाल
श्री ओमप्रकाश परिहार, राजस्थान फार्मेसिया, जोधपुर
श्री प्रेमप्रकाश सैनी, मिलन रेस्टोरेण्ट, सीकर
श्री लक्ष्मीकांत पुत्र श्री रामलाल भाटी, सोजतरोड़
श्री रामअकेला, पुत्र श्री गोकुलराम सैनी, पीपाड़ शहर
श्री नरेश देवड़ा, देवड़ा मोटर्स, जोधपुर
श्री प्रेमसिंह सांखला, सांखला सिमेंट, जोधपुर
श्री कस्तुरराम पुत्र श्री हिमाजी सोलंकी, भीनमल
श्री सांवरराम परमार, भीनमाल
श्री भारताराम परमार, भीनमाल
श्री विजय पुत्र श्री गुमानराम परमार, भीनमाल
श्री डी. डी. पुत्र श्री भंवरलाल भाटी, जोधपुर
श्री ब्रजमोहन पुत्र स्व. श्री रामस्वरूप परिहार, जोधपुर
श्री प्रेमसिंह पुत्र श्री किशोरलाल परिहार, जोधपुर
श्री जयसिंह पुत्र श्री ओमदत्त गहलोत, जोधपुर
श्री मनोहरलाल पुत्र श्री मदनलाल गहलोत, जोधपुर
श्री समुन्द्रसिंह पुत्र श्री नारायणसिंह परिहार, जोधपुर
श्री हिम्मतसिंह पुत्र श्री हरीसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री हनुमानसिंह पुत्र श्री बालूराम सैनी, आदमपुरा
श्री अशोक सांखला, पीपाड़
श्री अशोक पुत्र श्री सोहन सांखला, जोधपुर
श्री नटवरलाल माली, जैसलमेर
श्री दिलीप तंवर, जोधपुर
श्री महेन्द्रसिंह पंवार, जोधपुर
श्री संपतसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री जगदीश सोलंकी, जोधपुर
श्री मुकेश सोलंकी, जोधपुर
श्री श्यामलाल गहलोत, जोधपुर
श्री अमित पंवार, जोधपुर
श्री राकेशकुमार सांखला, जोधपुर
श्री रविन्द्र गहलोत, जोधपुर
श्री रणजीतसिंह भाटी, जोधपुर
श्री तुलसीराम कच्छवाहा, जोधपुर
सैनी उच्च माध्यमिक विद्यालय, भोपालगढ़
माली श्री मोहनलाल परमार, बालोतरा
श्री अरविंद सोलंकी, जोधपुर
श्री सुनील गहलोत, जोधपुर
श्री कुंदनकुमार पंवार, जोधपुर
श्री मनीष गहलोत, जोधपुर
श्री योगेश भाटी, अजमेर
श्री रामनिवास कच्छवाहा, बिलाड़ा
श्री प्रकाशचंद सांखला, ब्यावर
श्री झूमरलाल गहलोत, जोधपुर
श्री गुमानसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री अशोक सोलंकी, जोधपुर
श्री महावीर सिंह भाटी, जोधपुर
श्री जयप्रकाश कच्छवाहा, जोधपुर
श्री अशोक टाक, जोधपुर
श्री नरेन्द्रसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री मदनलाल गहलोत, सालावास, जोधपुर
श्री नारायणसिंह कुशवाहा, मध्य प्रदेश
श्री भंवरलाल देवड़ा, बावड़ी, जोधपुर
श्री जवाराराम परमार, रतनपुरा (जालोर)
श्री रूड़ाराम परमार, सांचौर
श्री जगदीश सोलंकी, सांचौर
श्री कपूरचंद गहलोत, मुबंई
श्री टीकमचंद प्रभुराम परिहार, मथानिया
श्री अरूण गहलोत, गहलोत क्लासेज, जोधपुर
श्री विमलेश नेनाराम गहलोत, मेड़तासिटी (नागौर)
श्री कैलाश ऊँकारराम कच्छवाहा, जोधपुर
माली (सैनी) सेवा संस्थान सब्जी मण्डी, पीपाड़
श्री मदनलाल सांखला, बालरंवा
श्री भीकाराम खेताराम देवड़ा, तिंवरी
श्री गणपतलाल सांखला, तिंवरी
श्री रामेश्वरलाल गहलोत, तिवंरी
श्री देवाराम हिरालाल माली, मुंबई,
श्री घनश्याम झुमरलाल टाक, खेजड़ला
श्री मिश्रीलाल जयनारायण कच्छवाहा, चौखा, जोधपुर
अखिल भारतीय माली (सैनी) सेवा सदन, पुष्कर
श्री सुगनाराम पुत्र श्री बुधाराम भाटी, पीपाड़ शहर
श्री पारसराम पुत्र श्री जयसिंह सोलंकी, जोधपुर
श्री रूपचंद पुत्र श्री भंवरलाल मरोठिया, पुष्कर
श्री धनाराम पुत्र श्री जुगाराम गहलोत,सालावास, जोधपुर
श्री कृपाराम पुत्र श्री आईदान सिंह परिहार, चौखा,जोधपुर
सरपंच श्री रामकिशोर पुत्र श्री हप्पाराम टाक, बालरवां
श्रीमती अंजू(पं.समिति सदस्य), सुपुत्री श्री ढ़लारामगहलोत, चौपासनी चारणान
श्री केवलराम पुत्र श्री शिवराम गहलोत, चौपासनी चारणान
श्री रामेश्वर पुत्र श्री सवाई राम परिहार, मथानियां
सरपंच श्रीमती मिनाक्षी पत्नी श्री चद्रसिंह देवड़ा, मथानियां
सरपंच श्रीमती गुड्डी पत्नी श्री खेताराम परिहार, तिंवरी
श्री अचलसिंह पुत्र श्री रूपाराम गहलोत, तिंवरी
श्रीमती रेखा(उप प्रधान) पत्नी श्री संजय परिहार, मथानियां
श्री चैनाराम पुत्र श्री माणकराम देवड़ा, मथानियां
श्री अरविंद पुत्र श्री भंवरलाल सांखला, मथानियां
श्री उम्मेद सिंह टाक पुत्र स्व. सेठ श्री कनीराम टाक, जोधपुर
श्री गिरधारीराम पुत्र श्री राजुराम कच्छवाहा, खींवसर
श्री देवेन्द्र सिंह पुत्र श्री सुरेन्द्र सिंह गहलोत
श्री मदनलाल (ग्राम सेवक) पुत्र श्री सोमाराम गहलोत, मथानियां
श्री लिखमाराम सांखला पुत्र श्री छोटुराम सांखला, रामपुरा भाटियान, तिंवरी
सरपंच श्रीमती संजू पत्नी श्री हुकमाराम सांखला, रामपुरा भाटियान, तिंवरी
श्री श्यामलाल पुत्र श्री मांगीलाल गहलोत, मथानियां त. तिंवरी
श्री खेताराम सोलंकी, लक्ष्मी स्टोन कटिंग, पीपाड़ शहर
श्री गोबरराम पुत्र श्री हरीराम कच्छवाहा, पीपाड़ शहर
श्री शंभु पुत्र श्री मूलचंद गहलोत, अजमेर
श्री रामनिवास पुत्र श्री पुनाराम गहलोत, जोधपुर

हार्दिक बधाई

सुश्री मानसी

युवा सुश्री मानसी पुत्री रविन्द्र सिंगोदिया के सिविल जज बनने पर हार्दिक बधाई। मानसी ने कड़ी मेहनत एवं अपनी लगन से 26 साल की उम्र में इस मुकाम को हासिल कर उन्होंने अपने परिवार का ही नहीं अपितु समाज को गौरवान्वित किया है समाज के युवाओं के लिए एक आदर्श प्रस्तुत किया है।

कंचन गहलोत

समाज सेवी रमेशचंद्र गहलोत परिवार के जगदीश गेहलोत (डबरा) की सुपुत्री कु. कंचन गहलोत के सिविल जज बनने पर परिजनों एवं गहलोत परिवार को हार्दिक बधाई एवम शुभकामनाएं।

शुभावरी सैनी

शुभावरी सैनी जो की गुरुग्राम निवासी ने इंडिया बुक रिकॉर्ड के प्रोग्राम में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। शुभावरी ने 1 से 100 की गिनती महज 28 सेकेंड में पूरी की जिसमें उन्होंने एक शब्द हिंदी में और दूसरा अंग्रेजी में बोला। इस होनहार बेटी को अनंत बधाईयां और उज्ज्वलत्तम भविष्य की शुभकामनाए।

भूल सुधार

माली सैनी संदेश द्वारा प्रकाशित विवाह योग्य युवक/युवती परिचय पुस्तिका में सुश्री आशा सैनी सुपुत्री संतोषकुमार मलिक जन्म तिथि 18/12/1992 शिक्षा : एम.ए., बी.एड निवासी : 11, धरती बंग्लो, चंद्रखेड़ा, रेलवे स्टेशन के सामने, अहमदाबाद गलत प्रकाशित हो गया है। जिसके लिए पत्रिका परिवार क्षमाप्रार्थी है।

संशोधित वैवाहिक परिचय

नाम : **सुश्री आयुषी सैनी** सुपुत्री : सतीश कुमार मलिक
जन्म तिथि : **25/12/1995** समय : **6.55 प्रात (इंदौर)**
शिक्षा : **बी.ई. पीजीडीएम (निम्स इंदौर)** ऊँचाई : **5'2''**
निवासी : 11, धरती बंग्लो, चंद्रखेड़ा, रेलवे स्टेशन के सामने, अहमदाबाद
मो. : 9408706325

श्री धर्माराम सोलंकी, सोलंकी खाद बीज, फलोदी
श्री धनराज पुत्र श्री राणाराम सोलंकी, पीपाड़ शहर
श्री संपतराज पुत्र श्री बाबुलाल सैनी, पीपाड़ शहर
सी. ए. श्री महेश पुत्र श्री आनंदीलाल गहलोत, जोधपुर
श्री हनुमान सिंह गहलोत, हनुमान टेंट हाऊस, जोधपुर
श्री मयंक पुत्र श्री दीनदयाल देवड़ा, जोधपुर
श्री नित्यानंद पुत्र श्री धनसिंह सांखला, जोधपुर
श्री महेश पुत्र श्री अमरसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री धनसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री कैलाश पुत्र श्री श्यामलाल गहलोत, जोधपुर,
श्री भारतसिंह पुत्र श्री लिखमाराम कच्छवाहा, जोधपुर
श्री संदीप पुत्र श्री नृसिंह कच्छवाहा, जोधपुर
श्री धमेन्द्र पुत्र श्री संतोष सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री निर्मल सिंह (एस.ई.)पुत्र श्री भजनसिंह कच्छवाहा, जोधपुर
श्री महेन्द्रसिंह कच्छवाहा(चैयरमेन, पीपाड़) पुत्र श्री पुखराज कच्छवाहा, पीपाड़
श्री अमृतलाल टाक पुत्र श्री चेनाराम टाक, बुंचकला, पीपाड़
श्री चांदरतन पुत्र श्री माणकचंद सांखला, बीकानेर
श्री कमलेश पुत्र श्री मुल्तान सिंह कच्छवाहा, पीपाड़ शहर
श्री सहीराम पुत्र श्री हिन्दुराम गहलोत, पीपाड़ शहर
श्री मनमोहन पुत्र श्री मनोहर सिंह सांखला, जोधपुर
श्रीमती कमला धर्मपत्नी श्री रमेशचंद्र माली, जोधपुर
श्री दशरथ पुत्र श्री विशन सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री राजकुमार पुत्र श्री रतनलाल सोलंकी, जोधपुर
श्री मेवाराम पुत्र स्व. श्री नारायण सोलंकी, जोधपुर
श्री गंगाराम पुत्र श्री हरीराम सोलंकी, जोधपुर
डॉ. हिरालाल पुत्र श्री मादुराम पंवार, जोधपुर
श्री गंगाराम पुत्र श्री किशनलाल सोलंकी, जोधपुर
श्री धरमाराम भाटी, अध्यक्ष क्षत्रिय माली समाज माधपुर (तमिलनाडु)
श्री राहुल भाटी सुपुत्र श्री जितेन्द्रसिंह भाटी, जोधपुर
श्री किसनाराम देवड़ा, श्री जी एन्टरप्राइजेज, जोधपुर
श्री(इंजि.)तेजप्रताप पुत्र श्री मंगलसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री अभय सिंह पुत्र श्री मांगीलाल गहलोत, जोधपुर
श्री विरेन्द्र सिंह पुत्र श्री आनंदसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री सोहनलाल पुत्र श्री नेपाराम देवड़ा, बालरंवा, तिंवरी
श्री अमृत सांखला, फ्यूचर प्लस क्लासेज, जोधपुर
श्री चेतन देवड़ा पुत्र स्व. श्री मानसिंह देवड़ा, जोधपुर
श्री अरविंद गहलोत (पार्षद) पुत्र श्री मांगलाल गहलोत, जोधपुर
सीए श्री अर्जुन पुत्र श्री कांतिलाल परिहार, बाली, पाली
श्री पप्पुराम पुत्र श्री रामचंद्र गहलोत, चौखा, जोधपुर
डॉ. श्री महेन्द्र भाटी 'त्रिकाल', रायपुर, पाली
श्री रोहित पुत्र श्री राजेन्द्र सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री रामेश्वर सिंह पुत्र स्व. लाल सिंह सांखला, जोधपुर
श्री जगन्नाथ सिंह पुत्र श्री मेघसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री हुक्माराम भाटी पुत्र श्री सुखदेवराम भाटी, जोधपुर
श्री श्याम लाल पुत्र श्री बुद्वाराम भाटी, पीपाड़ शहर
श्री लक्ष्मीचंद पुत्र श्री रामकिशन माली, करौली
श्री चेतन सिंह पुत्र श्री संतोकसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री लुंबाराम देवड़ा, जगदम्बा पब्लिक स्कूल, जोधपुर
श्री विकास कच्छवाहा पुत्र श्री नरेन्द्रसिंह, जोधपुर
श्री कानाराम सांखला, कानजी स्वीट्स, जोधपुर
श्री कुशाल राम सांखला, रामजी स्वीट्स, जोधपुर
श्री मुकेश टाक पुत्र श्री हरीसिंह टाक, जोधपुर
श्री अरविंद पुत्र श्री आनंदप्रकाश गहलोत, जोधपुर
श्री आनंदसिंह पुत्र श्री जगदीश सिंह सांखला, जोधपुर
श्री जयंत सांखला,आर.एस.एम.विद्याश्रम, जोधपुर
श्री प्रदीप कुमार पुत्र श्री मोहनलाल कच्छावा, अजमेर
श्री ताराचंद पुत्र श्री मोतीलाल सांखला, मथानियां
डॉ. कमल सैनी, सोलन, हिमाचल प्रदेश
श्री ओमप्रकाश सैनी पुत्र श्री गणपत जी लाडंनू
डॉ प्रवीण पुत्र श्री धनसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री राकेश पुत्र श्री छतरसिंह गहलोत, जोधपुर
डॉ. भीमपाल पुत्र श्री बुधाराम गहलोत, जोधपुर
श्री धमेन्द्र कच्छवाहा,भीलवाड़ा
श्री गोविंद पुत्र श्री भगवानसिंह परिहार, जोधपुर
श्री शरद टाक, जोधपुर
श्री मुकेशराज पुत्र श्री राजेन्द्र सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री मनोहरलाल पुत्र श्री बाबूलाल गहलोत, जोधपुर
श्री रविन्द्र सिंह परिहार, नागौर मोटर्स, नागौर
श्री अर्जुन सिंह पुत्र श्री कल्याण सिंह कच्छवाह, पीपाड़

माली सैनी सन्देश

घर बैठे माली सैनी संदेश मंगाने के लिए भर कर भेजें

सदस्यता फार्म

दिनांक ____________

माली सैनी संदेश पत्रिका देश के प्रत्येक राज्य के प्रमुख शहरों के साथ ही ग्रामिण क्षेत्रों में माली सैनी समाज के लोगों की जानकारियों आपको विगत 15 वर्षो से हर माह पहुंचाकर समाज के विभिन्न वर्गो में हो रहे समाज उत्थान एवं शिक्षा तथा अन्य क्षेत्र के विकास कार्यो की जानकारी प्रदान कर रहा है। समय समय पर समाज के विभिन्न आयोजनों की भी विस्तृत जानकारी पत्रिका के प्रकाशन के माध्यम से सभी को उपलब्ध कराई जा रही है। यहीं नहीं देश के बाहर विदेशों में रह रहे समाज बंधुओं को भी समाज की संपूर्ण जानकारी वेब–साईट के माध्यम से भी उपलब्ध कराई जा रही है। समाज की प्रथम ई–पत्रिका होने का गौरव भी आप सभी के सहयोग से हमें ही मिला है।

हमारी वेबसाईट www.malisaini.org में समाज के सभी वर्गो की विस्तृत जानकारियां उपलब्ध है एवं www.malisainisandesh.com में हमारी मासिक ई पत्रिका के वर्तमान एवं पूर्व के अंकों का खजाना आपके लिए हर समय उपलब्ध है।आप हमें पे–टी.एम. से मोबाईल नंबर 9414475464 पर भी सदस्यता शुल्क भेज पत्रिका प्राप्त कर सकते है।

डाक से नियमित रूप से निम्न पते पर माली सैनी संदेश पत्रिका भेजने के लिए डिमाण्ड ड्राफ्ट/ मनीआर्डर माली सैनी संदेश के नाम से भेज रहा हूं।

सदस्यता राशि

दो वर्ष रू. 600/-	5 वर्ष रू. 1,500/-	आजीवन रू. 3,100/-

नाम/संस्था का नाम ____________________

पता ____________________

फोन/मोबाईल ____________ ई-मेल ____________

ग्राम ________ पोस्ट ________ तहसील ________

जिला ____________ पिनकोड ____________

राशि (रूपये) ____________ बैंक का नाम ____________

डिमाण्ड ड्राफ्ट/मनीआर्डर क्रमांक ____________ (डीडी/एमओ माली सैनी संदेश के नाम से भेजें)

अतः मुझे/हमें भी अंग्राकित पते पर माली सैनी संदेश पत्रिका डाक द्वारा भेजें।

दिनांक ____________

हस्ताक्षर

होटल सिटी पैलेक के पीछे, नई सड़क, जोधपुर - 01 मो. 77379 54550 (रजि. कार्यालय)

Mobile : 94144 75464 Visit us at : www.malisainisandesh.com
www.malisaini.org. E-mail :malisainisandesh@gmail.com; editor@malisaini.org

ही क्यों ?

क्योंकि ?

हमारे पास है सैकड़ों एन. आर. आई. सहित पांच हजार पाठकों का विशाल संसार

क्योंकि ?

हम बताते है सच्चाई तथा सामाजिक गतिविधियों की संपूर्ण जानकारी जो कि समाज में हो रही है।

हमें विज्ञापन दीजिये

क्योंकि
हमारी क्रियेटिव टीम के साथ
यह सजाती है आपके ब्राण्ड को पूरे
देश ही नहीं विदेशों में भी

RATES

Advertisements

COLOR (Full Page)

Back Cover	10,000/-
Inside Cover	5,000/-

ह्ह्ह्श्क्रष्ह्स्ह्क्र

Full Page	2,500/-
Half Page	1,500/-
Quarter Page	1,000/-

Cell : 94144 75464

log on : www.malisainisandesh.com
e-mail : malisainisandesh@gmail.com
e-mail : editor@malisaini.org

रजि. कार्यालय : होटल सिटी पैलेस के पीछे, नई सड़क, जोधपुर - 01
मो. 77379 54550 (कार्यालय)